twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 12 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 184, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

रूस ने रखा यूक्रेन के साथ बिना शर्त वार्ता का प्रस्ताव

मास्को

विजय दिवस के समापन के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रुख युद्ध को लेकर कुछ नरम पड़ता दिखाई दे रहा है। उन्होंने रविवार को सभी को चौंकाते हुए यूक्रेन के सामने बिना किसी शर्त के शांति वार्ता का प्रस्ताव दे दिया। पुतिन ने कहा कि वह तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल में यूक्रेनी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि ऊधर यूक्रेन की तरफ से अभी इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। न्यूज एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि बिना किसी शर्त के एक बार फिर वह यूक्रेन के साथ बात करने के इच्छुक हैं। मास्को बार-बार युद्ध विराम की कोशिश कर रहा है। उसके बाद भी यूक्रेन की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद एक संयुक्त मसौदा तैयार किया गया था। लेकिन बाद में यूक्रेन उस मसौदा से पलट गया। गौरतलब है कि नाजी जर्मनी के ऊपर अपनी जीत के 80 वें वर्ष को विजय दिवस के रूप में मना रहे रूस ने यूक्रेन से तीन दिनों के लिए एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा की थी। यह युद्ध विराम रविवार को समाप्त हो गया।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखा ब्रह्मोस का पराक्रम: सीएम योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है जो कभी सीधी होने वाली नहीं, जो प्यार की भाषा मानने वाली नहीं। उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। इस दिशा में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे और उन्होंने व सीएम योगी ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया।

पाक ने सीजफायर तोड़ा तो करारा जवाब देंगे: सेना

ऑपरेशन सिंदूर में 40 पाकिस्तानी सैनिक, 100 आतंकी मारे; 5 भारतीय जवान शहीद

नई दिल्ली

भारत की थल सेना, नौसेना और वायु सेना के सैन्य महानिदेशक (डीजीएमओ) मीडिया को संबोधित कर रहे हैं। तीनों सेनाओं के अधिकारी जब प्रेस ब्रीफिंग करने पहुंचे तो ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति चलाई गई। इसके माध्यम से भी भारतीय सेना ने स्पष्ट संदेश दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि जिस बैकग्राउंड संगीत का इस्तेमाल किया गया वह शिव तांडव स्तोत्र है। एयर मार्शल एके भारती, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और मेजर जनरल एसएस शारदा ने भारतीय सेना की कार्रवाई पर जानकारी दी। सेना के अधिकारियों ने तस्वीरों के साथ विस्तार से बताया कि सैन्य कार्रवाई से पहले के हालात कैसे थे और बाद का मंजर कैसा है। उन्होंने बताया कि भारत की जवाबी कार्रवाई के डर से कुछ आतंकी ठिकाने खाली हो गए। ऑपरेशन सिंदूर के लिए सोच-विचार कर नौ आतंकी शिविरों को हमले के लिए चुना गया। 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, आप सभी ने देखा है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों को कितनी बेरहमी और निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। ये सभी क्थ्814 विमान अपहरण और पुलवामा हमले में शामिल थे। इसके बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) का उल्लंघन किया और उनकी बौखलाहट साफ दिखी। उन्होंने जवाबी कार्रवाई में कई आम लोगों, गांवों और धार्मिक स्थलों जैसे गुरुद्वारों को भी निशाना बनाया, जिससे दुखद रूप से कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। भारतीय वायुसेना ने आतंकी शिविरों को निशाना बनाया और भारतीय नौसेना ने सटीक हथियारों की मदद दी। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान लगातार आसमान में मुस्तैद थे।

आतंक फैलाने वालों को सजा दी गई

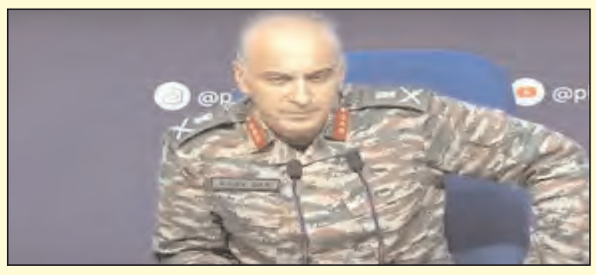

जब हमने उन दर्दनाक तस्वीरों और परिवारों के दुख को हाल के अन्य आतंकी हमलों के साथ जोड़कर देखा तो यह स्पष्ट हो गया कि अब देश को एक कड़ा जवाब देना जरूरी है। इसी मकसद से 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया ताकि आतंक फैलाने वालों और उसकी योजना बनाने वालों को सजा दी जा सके और उनके छिपने की जगहें खत्म की जा सकें। मैं यहां वही बात नहीं दोहरा रहा, जो हम पहले भी कई बार कह चुके हैं कि भारत आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट घई ने कहा, इन नौ आतंकी ठिकानों पर हुए हमलों में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए, जिनमें यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदस्सिर अहमद जैसे कुछ बड़े लक्ष्य भी शामिल थे।

पाक सेना के 35-40 जवान भी मारे गए: डीजीएमओ

9 और 10 मई की रात को भी पाकिस्तान ने एयरफील्ड और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की। समेकित वायु रक्षा प्रणाली की वजह से हर हमले को नाकाम कर दिया गया। भारत की गोलाबारी में पाकिस्तान की सेना के 35-40 जवान मारे गए।

100 से अधिक आतंकी ढेर

तस्वीरों के साथ विस्तार से बताया कि स्ट्राइक से पहले के हालात कैसे थे और सेना की कार्रवाई के बाद का मंजर कैसा है। कुछ आतंकी ठिकाने खाली हो गए। ऑपरेशन सिंदूर के लिए सोच-विचार कर नौ आतंकी शिविरों को हमले के लिए चुना गया। 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। अजहर जैसे हाई वैल्यू टारगेट यानी वांटेड आतंकी को भी खत्म कर दिया।

सुरक्षाबलों ने सूक्ष्मता से काम किया

डीजीएमओ राजीव घई ने बताया, सेना ने सीमा पार के आतंकी परिदृश्य को समझने के लिए बहुत मेहनत की। सुरक्षाबलों ने सूक्ष्मता से काम किया और आतंकी शिविरों और प्रशिक्षण स्थलों की पहचान की। कार्रवाई करने के लिए कई जगहें सामने आईं, लेकिन हमने गहन विचार-विमर्श किया, हमें एहसास हुआ कि इनमें से कुछ आतंकी केंद्र अब मौजूद नहीं हैं।

हमने तय किया था कि हम केवल आतंकवादियों को ही निशाना बनाएंगे और आम नागरिकों के साथ-साथ दूसरे नुकसान को रोका जाएगा। खुफिया एजेंसियों ने नौ आतंकी शिविरों के बारे में पुष्टि की।

पाक फायरिंग में सेना के पांच जवान शहीद हुए

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सीमा पर लगातार फायरिंग की। पड़ोसी देश ने सात मई को आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की स्ट्राइक के बाद लगातार उकसावे की कार्रवाई की। पड़ोसी देश की सेना के नापाक इरादे उस समय भी जाहिर हो गए, जब डीजीएमओ स्तर पर सीजफायर को लेकर बनी सहमति के बावजूद फायरिंग जारी रही

। भारतीय सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने साफ किया है कि अगर आज भी पाकिस्तान ने ऐसा ही दुस्साहस किया तो सेना माकूल जवाब देगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी फायरिंग में दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से भारतीय सेना के पांच जवानों का भी बलिदान हुआ।

हमारी कार्रवाई सिर्फ पाकिस्तान के उकसावे के जवाब में थी: जनरल राजीव घई

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि हमारा उद्देश्य आतंकी शिविरों को ठिकाना बनाना था और बाद की हमारी कार्रवाई सिर्फ पाकिस्तान के उकसावे के जवाब में थी। इस वजह से पाकिस्तान के डीजीएमओ से उनकी पहल पर बातचीत की गई। हालांकि, अपेक्षित रूप से पाकिस्तान ने कुछ ही घंटों में संघर्ष विराम का उल्लंघन कर दिया। संघर्ष विराम का उल्लंघन होने पर सेना के कमांडरों को जवाब देने की खुली छूट दी गई है। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा 8-9 मई की रात को, पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान भेजे।

पिछले चार दिनों में साबित हुई भारत की तकनीकी श्रेष्ठता : डॉ जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा है कि आधुनिक युद्ध पूरी तरह से तकनीक पर आधारित है और पिछले चार दिनों में भारत की श्रेष्ठता साबित हुई है। दिल्ली के अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" समारोह में उन्होंने उक्त बातें कहीं। इस दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी तकनीकी विकास की उपलब्धियों की जानकारी दी।

डॉ सिंह ने बताया कि भारत ने हाल के वर्षों में कई स्वदेशी तकनीकों का सफलतापूर्वक विकास किया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा क्षमताओं में

महत्वपूर्ण वृद्धि कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज के अधिकांश रक्षा उपकरण स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं। मंत्री ने "आत्मनिर्भर भारत" की दिशा में किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और बताया कि भारत अब विदेशी शक्तियों पर निर्भर नहीं है। उन्होंने "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" का इतिहास के बारे में बताया कि यह दिन 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षणों की सफलता को याद करने के लिए मनाया जाता है। डॉ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक तकनीकी अग्रेसर के रूप में उभरा है। समारोह में डॉ सिंह ने "सुपर 30 स्टार्टअप्स" की एक संकलन पुस्तक जारी की और राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत नई प्रस्तावों की घोषणा की। उन्होंने बजटीय आवंटन में वृद्धि और अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में भारत की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर कई प्रमुख वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे।

'वहां से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा'

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि 'वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा'। यानी अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा। सूत्रों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर

हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की।

'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं- सरकार

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे 'नए सामान्य' की तरह स्वीकार करना होगा। सूत्रों का कहना है कि, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई राजनयिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डायरेक्टर जनरल्स ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) के बीच संपर्क हुआ है।

ताकि सीमा पर स्थिति को संभाला जा सके।

इसके साथ ही भारत का संदेश बिल्कुल साफ है- अब अगर पाकिस्तान गोली चलाएगा, तो भारत दोगुनी ताकत से जवाब देगा।और जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक कोई भी बातचीत, मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है।

भारत अपने उद्देश्य में रहा सफल, पाक की फजीहत

लखनऊ

पहलगाम पर बर्बर और अमानवीय आतंकी हमला मामले में पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर भारत ने अपना मकसद पूरा कर लिया। आतंकवाद के सवाल पर भारत ने पड़ोसी पाकिस्तान के लिए एक स्थायी लक्ष्मण रेखा खींच दी। सीजफायर को स्वीकार करने से पहले भारत ने घोषित कर दिया कि अब भविष्य में देश के अंदर होने वाली एक भी आतंकी घटना को वह अपने खिलाफ युद्ध मानेगा। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि भविष्य में ऐसी आतंकी कार्रवाई के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई के लिए भारत ने खुद को स्वतंत्र घोषित कर दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि पाकिस्तान भविष्य में ऐसी आतंकी कार्रवाई के लिए भारत की सीधी कार्रवाई के लिए तैयार रहे। भारत अपने उद्देश्य में सफल, पाकिस्तान की फजीहत करीब चार दिन की तनातनी के बाद कूटनीतिक विशेषज्ञ युद्ध विराम पर भारत की सहमति को लेकर अपने निष्कर्ष के लिए स्वतंत्र हैं। दोनों पक्षों के समर्थन और विरोध में कई तर्क दिए जा रहे हैं। हालांकि सही निहितार्थ में देखें, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग में भारत अपने उद्देश्य में सफल रहा है। कूटनीतिक मोर्चे पर पाकिस्तान की दुनिया भर में फजीहत हुई है। यह भी साफ हुआ है कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद को पोषित और संरक्षण देने की नीति पर कायम रहा तो आने वाले समय में उसकी मुश्किलें बढ़ेंगी। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम को भारत के कूटनीतिक रणनीति के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमला मामले में पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

विदेशमंत्रियों से बात कर सीधे संवाद पर दिया जोर: अमेरिका

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव को लेकर अमेरिका ने सक्रिय पहल की है। अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर से बातचीत की। इसके साथ ही रुबियो ने पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेशमंत्री इशाक डार से भी बात की। यह जानकारी अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने अलग अलग वक्तव्य में दी। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने एक पोस्ट में भी बातचीत की जानकारी

दी। उन्होंने कहा क भारत का दृष्टिकोण सदैव संतुलित एवं जिम्मेदाराना रहा है तथा आज भी ऐसा ही है। बातचीत के दौरान रुबियो ने जयशंकर से कहा कि दोनों देशों को तनाव कम करने के उपाय खोजने चाहिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे संवाद की प्रक्रिया फिर से शुरू होनी चाहिए। इससे गलतफहमी से बचा जा सकेगा और स्थिति में सुधार लाया जा सकेगा। रुबियो ने यह भी प्रस्ताव दिया कि अमेरिका दोनों देशों के बीच रचनात्मक बातचीत शुरू कराने में मदद कर सकता है। उनका कहना था कि इससे भविष्य में विवादों को टाला जा सकता है। रुबियो ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री इशाक डार से भी बात की। इस बातचीत में भी उन्होंने वही बातें दोहराईं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों पक्ष तनाव घटाने के रास्ते तलाशें और सीधा संवाद बहाल करें। साथ ही, अमेरिका की ओर से मदद का प्रस्ताव भी दिया गया।

डोभाल-वांग यी की बातचीत: आतंक के खिलाफ कार्रवाई जरूरी थी: एनएसए अजीत डोभाल

नई दिल्ली/बीजिंग

भारत-पाकिस्तान के मध्य युद्धविराम की घोषणा के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच शनिवार देर रात अहम टेलीफोनिक वार्ता हुई। इस बातचीत का केंद्र बिंदु हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और क्षेत्रीय शांति रहा। डोभाल ने वांग यी को स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में भारतीय नागरिकों की गंभीर क्षति के बाद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक थी। उन्होंने कहा, भारत युद्ध नहीं चाहता, यह हमारी पसंद नहीं थी, लेकिन आतंकी हमले के जवाब में एक्शन जरूरी था। उन्होंने आशा जताई कि भारत और पाकिस्तान दोनों जल्द ही युद्धविराम के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करेंगे।

रावलपिंडी तक सुनाई दी है सेना के शौर्य की धमक: राजनाथ सिंह

लखनऊ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। नई दिल्ली से जुड़कर उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का भी जिक्र किया। रक्षामंत्री ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर को भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि जिन भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला करके कई परिवारों के सिंदूर मिटाए थे, उन्हें भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से इंसाफ दिलाने का काम किया है।

भारतीय सेना ने साहस, संयम और शौर्य का परिचय देते हुए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर करारा जवाब दिया। रक्षामंत्री ने बताया कि भारतीय सेना की कार्रवाई सीमा से सटे ठिकानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसकी धमक पाकिस्तानी सेना के हेडक्वार्टर रावलपिंडी तक सुनाई दी। हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रदर्शन है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिसमें आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया गया। पाकिस्तान ने भारत के नागरिक क्षेत्रों, मंदिरों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों को निशाना बनाने का प्रयास किया। उन्होंने उरी, पुलवामा और हाल की पहलगाम की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और अब मल्टिपल स्ट्राइक के जरिए आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि यह नया भारत है, जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति, सैन्य इच्छा शक्ति और संकल्प शक्ति का भी प्रदर्शन है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (11 मई) के अवसर पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन को रक्षामंत्री ने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह दिन 1998 में पोखरण में हुए परमाणु परीक्षण की याद दिलाता है।

रावलपिंडी तक सुनी गई भारत की सेनाओं की धमक, 'आपरेशन सिंदूर' ने दिलाया पीड़ित परिवारों को इंसाफ : राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरा शहर लखनऊ भारत के डिफेंस सेक्टर को मजबूत करने में एक बड़ा योगदान दे, वह सपना अब पूरा हो रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जिन भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला करके कई परिवारों के सिंदूर मिटाए थे, उन्हें भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से इंसाफ दिलाने का काम किया है। इसके लिए आज सारा देश भारतीय सेनाओं का अभिनंदन कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई भर नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। यह ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सैन्य शक्ति की क्षमता और संकल्प शक्ति का भी प्रदर्शन है। हमने दिखाया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को वर्चुअली रूप से संबोधित करते हुए आगे कहा, ÷भारतीय सेनाओं ने

ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लॉन्च किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया था। मगर पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा और गिरजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में आतंकवादी घटनाएं करने और कराने का क्या अंजाम होता है, यह पूरे विश्व ने उरी की घटना के बाद देखा। जब हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा के बाद देखा जब बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की गई और अब पहलगाम की घटना के बाद दुनिया देख रही है, जब भारत ने पाकिस्तान के भीतर घुसकर मल्टीपल स्ट्राइक्स की हैं। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है, जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कार्रवाई करेगा। उन्होंने आगे कहा, ÷आज का दिन हमारे शहर लखनऊ और हमारे राज्य उत्तर प्रदेश और पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मैं समझता हूं कि आज का दिन उस शक्ति की आराधना का दिन है, जो हमारी सेनाओं को संबल प्रदान करती है, जो हमारी सेनाओं में निहित होकर दुश्मन पर कहर बरपाती है। आज का दिन मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि मैंने अपने शहर लखनऊ के लिए एक सपना देखा था कि मेरा शहर भारत के डिफेंस सेक्टर को मजबूत करने में एक बड़ा योगदान दे।

अमेरिका के दबाव में किया सीजफायर, सरकार ने पीओके वापस लेने का मौका गंवाया : राशिद अल्वी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने भारत-पाक संघर्ष के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अमेरिका के दबाव में सीजफायर किया। ऐसा करने की जरूरत नहीं थी और हमने ऐसा करके पीओके को वापस हासिल करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया। रविवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान राशिद अल्वी ने कहा कि जब पूरा देश एक साथ होकर भारत सरकार के साथ आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए खड़ा था तो ऐसे समय में भारत ने अमेरिका में दबाव में सीजफायर किया। तीन दिनों में हमारी सेना ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत दिखाई। लेकिन क्या भारत सरकार ने वो मकसद हासिल कर लिया, जिसके लिए यह सब कुछ किया गया था। भारत सरकार ने सीजफायर की घोषणा की, लेकिन क्या इस फैसले से पहले उन्हें सभी राजनीतिक दलों से एक बार विचार-विमर्श नहीं करना चाहिए था? उन्होंने कहा कि आज पूरा देश सरकार के साथ है। हमारी सेना तैयार है, लेकिन पीओके पाकिस्तान के पास रह गया। हमें उसे लेना चाहिए था। इससे बेहतर मौका और नहीं हो सकता था। अमेरिका के दबाव में हमें सीजफायर नहीं करना चाहिए था। सीजफायर के बाद बॉर्डर पर शांति बहाल होने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि सीजफायर के बाद हमले का कोई सवाल नहीं उठता है। लेकिन पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान कभी भी हमसे सीधे तौर पर लड़ नहीं सकता है। इसलिए वह दहशतगर्दों के दम पर आतंक फैलाना चाहता है।

हावड़ा में कर्ज के दबाव में पूरे परिवार ने दी जान

हावड़ा। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में कर्ज के दबाव में आकर पूरे परिवार ने आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार देर शाम डोमजूर थाना अंतर्गत बांकाड़ा के सरतपल्ली इलाके की है। घर से एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव बरामद किये गये। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान शेफाली घोरुई (65), उनकी बेटी संगीता घोरुई (45) और बेटे शुभमय घोरुई (42) के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया पुलिस का मानना है कि जहर खाने से तीनों लोगों की मौत हुई है। पीडब्ल्यूडी के संविदा कर्मचारी शुभमय ने विभिन्न स्थानों से ऋण ले रखा था। वह कर्ज को लौटा नहीं पा रहा था। लेनदार अक्सर पैसे मांगते थे। शनिवार दोपहर भी एक ऋणदाता पैसे मांगने आया। उस समय घर बंद मिला। लेकिन पूरे दिन जब घर का दरवाजा नहीं खुला तो शाम को पड़ोसियों ने पुलिस को खबर दी। मौके पर पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो घर के अंदर से तीन लोगों के शव बरामद किए गए। घटना के बारे में पड़ोसी प्रशांत बनिक ने बताया कि शेफाली घोरुई के बेटे शुभमय पर कई जगहों से कर्ज का दबाव था। । ऋणदाता अपना पैसा वापस मांगते थे। पैसे चुकाने में असमर्थ शुभमय, उसकी मां और बहन ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। बहन संगीता अविवाहित थीं और विकलांग थी।

त्रिपुरा की अदालत ने पांच बंगलादेशी नागरिकों को 12 दिन की जेल भेजा

अगरतला। त्रिपुरा के उनोकोटी जिले के कैलाशहर की एक स्थानीय अदालत ने पांच बंगादेशी नागरिकों को बिना वैध दस्तावेजों के अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने के आरोप में 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार रात

देपाछरा गांव से एक वर्षीय बच्चे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान, उन्होंने जिले के पेचारथल थाना क्षेत्र के मचमारा में रहने वाले दो अन्य लोगों के ठिकाने का खुलासा किया और पुलिस ने उन्हें भी तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ के लिए आरोपियों को उन दो स्थानों पर ले गई, जहां बंगलादेशी नागरिक छिपे हुए थे और पता चला कि सभी पांच बंगलादेश मौलवीबाजार जिले के निवासी हैं और उनका भारतीय घरवालों से संबंध है। उन्हें उनाकोटी जिला न्यायालय में पेश किया गया, जिसने उन्हें 22 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पीएम मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक

रक्षा मंत्री और एनएसए समेत तीनों सेनाओं के प्रमुख रहे मौजूद

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने आवास पर शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे।

यह बैठक पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनावपूर्ण शांति के बीच हुई, जहां फिलहाल संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। दरअसल, पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, लेकिन रात में शांति रही। इससे पहले, पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का पालन करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष विराम की घोषणा की थी और नई दिल्ली ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बना ली है। इस बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है और ऐसा करना जारी रखेगा।

हालांकि, पाकिस्तान ने भारत के कड़े जवाब के बाद अमेरिका से शांति की मध्यस्थता की मांग की थी। इसके बाद उसने भी संघर्ष विराम की घोषणा की, लेकिन बाद में फिर से उल्लंघन किया। भारत ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल भेजना बंद कर दिया। भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि श्रीनगर, गुजरात के कुछ हिस्सों और राजस्थान के बाड़मेर सहित जम्मू और कश्मीर के विभिन्न स्थानों पर पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए, जिसके बाद उन्हें रोका गया। इतना ही नहीं, कई सीमावर्ती क्षेत्रों में फिर से ब्लैकआउट करना पड़ा। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है और भारतीय सशस्त्र बल इसका उचित और कड़ा जवाब दे रहे हैं। देर रात प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत ने इन उल्लंघनों को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वह इन उल्लंघनों को रोकने और स्थिति को गंभीरता तथा जिम्मेदारी से संभालने के लिए उचित कदम उठाए। सशस्त्र बल स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा व नियंत्रण रेखा पर किसी भी उल्लंघन का कड़ाई से जवाब देने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, बाद में पाकिस्तान ने कहा कि वह संघर्ष विराम समझौते को ईमानदारी से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है ।

'ऑपरेशन अभी भी जारी है... ', युद्धविराम के बीच भारतीय वायुसेना का बड़ा बयान

आईएएफ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपने कार्यों को सटीक और पेशेवर ढंग से सफलतापूर्वक अंजाम दिया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बयान सामने आया है। भारतीय वायु सेना ने बताया कि ऑपरेशन अभी जारी है। भारतीय वायु सेना ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया, 'भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपने कार्यों को सटीक और पेशेवर ढंग से सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। ऑपरेशन को राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुसार सोच-समझकर और गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया है। चूंकि ऑपरेशन अभी जारी है, इसलिए विस्तृत जानकारी बाद में दी जाएगी।' उन्होंने अटकलों और असत्यापित जानकारी से बचने की अपील करते हुए आगे लिखा, ÷भारतीय वायु सेना सभी से अनुरोध करती है कि वे अटकलों और असत्यापित जानकारी के प्रसार से बचें। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर बड़ी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि भारत-पाकिस्तान पिछले तीन दिनों से जारी संघर्ष पर तत्काल पूर्ण युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह सहमति

अमेरिका की मध्यस्थता से पूरी हुई है।हालांकि, युद्धविराम के उल्लंघन को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार देर रात कहा कि सेना को सख्त कदम उठाने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर शनिवार शाम हुए समझौते का पाकिस्तान ने कुछ ही घंटों में ÷घोर उल्लंघन' किया है। विक्रम मिस्री ने मीडिया को बताया था कि भारतीय सेना पूरी दृढ़ता से जवाबी कार्रवाई कर रही है और सीमा पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने में जुटी है। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान की ओर से यह कार्रवाई 'अत्यंत निंदनीय है और इसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है'। इससे पहले भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर बड़ा फैसला लिया। सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी। भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों ने कहा था।

भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब से आरडीएक्स, हैंड ग्रेनेड व हथियार बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर भारत-पाकिस्तान सीमा से आरडीएक्स तथा हैंड ग्रेनेड व कई हथियार बरामद किए हैं। विस्फोटक सामग्री व हथियार बरामद करने के बाद बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने मिलकर सीमावर्ती

क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह ग्रामीणों ने पुलिस को इस बारे में सूचित किया कि गांव चक बाला के पास कुछ संदिग्ध वस्तुएं पड़ी हैं। बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस की टीम वहां पहुंची और पूरे गांव को घेर लिया। इसके बाद खेतों में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान यहां से 972 ग्राम आरडीएक्स, एक रिमोट कंट्रोल डिवाइस और चार्जर, दो हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, आठ बैटरियां, एक ब्लैक बॉक्स, 30 जिंदा कारतूस तथा दो पिस्टल व चार मैगजीन बरामद की हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने इस बरामदगी की पुष्टि करते हुए कहा कि यह किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम दिए जाने का प्रयास हो सकता है जिसे पुलिस तथा बीएसएफ ने मिलकर विफल बनाया है। डीजीपी ने बताया कि अमृतसर के अजनाला पुलिस थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

'ट्रंप की मध्यस्थता' पर कपिल सिब्बल को ऐतराज, विशेष संसद सत्र बुलाने की उठाई मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उनके हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर आलोचना की, जहां उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी। जिस पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पोस्ट पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा, 'इस पोस्ट पर भी कई सवाल उठेंगे, तो क्या हुआ (भारत-पाकिस्तान समझौते के बारे में), कैसे और क्यों, इस बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई है इसलिए हम आज कोई आलोचना नहीं करेंगे। हम केवल यह चाहते हैं कि संसद का विशेष सत्र हो और सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। मैं सभी राजनीतिक दलों से अपील करना चाहता हूं कि जब तक सरकार उन्हें यह आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री भी बैठक में मौजूद रहेंगे, तब तक वे बैठक में शामिल न हों। मुझे पूरा भरोसा है कि अगर डॉ.

मनमोहन सिंह आज प्रधानमंत्री होते, तो वे सर्वदलीय बैठक में मौजूद होते और विशेष सत्र भी बुलाया जाता।

उन्होंने कहा, लाहौर में आतंकी ठिकानों पर सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। पूरा देश सेना को सलाम कर रहा है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि युद्धविराम के बाद भी सरकार ने विशेष संसद सत्र बुलाने की उनकी मांग पर कोई जवाब नहीं दिया। सिब्बल ने कहा कि अब जब युद्धविराम हो चुका है, तो सरकार को तुरंत विशेष सत्र बुलाना चाहिए ताकि देश के सामने स्थिति स्पष्ट हो और किसी भी तरह की कड़वाहट से बचा जा सके।सिब्बल ने 2002 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय 26 लोगों की हत्या के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी, लेकिन हाल की घटनाओं के बाद बुलाई गई बैठक में प्रधानमंत्री मोदी मौजूद नहीं रहे। प्रधानमंत्री उस समय बिहार और केरल में थे। यह ठीक नहीं लगा कि इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर वे बैठक में शामिल नहीं हुए। पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के एक लेख का जिक्र करते हुए कहा कि इस समय सभी को सेना की प्रशंसा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमने भी सेना की तारीफ की है। चिदंबरम ने गाजा के संदर्भ में बात की, लेकिन यह समय सेना की बहादुरी को सलाम करने का है।

लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का उद्घाटन

सीएम योगी बोले- आतंकवाद को पूरी तरह कुचलना ही समाधान

एजेंसी

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को वर्चुअल माध्यम से लखनऊ में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल उत्पादन यूनिट का उद्घाटन कर दिया है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई नेता मौजूद रहे। इस दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, आपने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल की एक झलक देखी होगी। अगर नहीं देखी तो पाकिस्तान के लोगों से ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत के बारे में पूछिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि आगे से आतंकवाद की कोई भी कार्रवाई युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी। आतंकवाद की समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता है, जब तक हम इसे पूरी तरह से कुचल नहीं देते। आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सभी को पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक स्वर में लड़ना होगा। आतंकवाद कभी भी प्यार की भाषा नहीं अपना सकता। उसे उसी की भाषा में जवाब देना होगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत ने पूरी दुनिया को संदेश दिया है। दरअसल, लखनऊ में नई ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन फैसिलिटी शुरू हुई है, जो भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत करेगी। यह यूनिट प्रतिवर्ष 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइलें बनाएगी।300 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस यूनिट में ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जाएगी, जो 290-400 किमी की रेंज और 2.8 मैक की गति से

सटीक हमला कर सकती है। यह मिसाइल भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया के संयुक्त उद्यम, ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित की गई है। इसे जमीन, समुद्र या हवा से लॉन्च किया जा सकता है और यह फायर एंड फॉरगेट सिस्टम पर काम करती है।

इसके अलावा, यूनिट हर वर्ष 100 से 150 अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस मिसाइलें भी बनाएगी। अधिकारियों के अनुसार, ये नए संस्करण एक वर्ष के भीतर डिलीवरी के लिए तैयार हो जाएंगे। इसके अलावा, अगली पीढ़ी की मिसाइल का वजन 2,900 किग्रा से घटाकर 1,290 किग्रा किया गया है और इसकी रेंज 300 किमी से अधिक होगी। इससे सुखोई जैसे लड़ाकू विमान, जो अभी एक मिसाइल ले जाते हैं, तीन मिसाइलें ले जा सकेंगे। यह यूनिट 2018 में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित रक्षा औद्योगिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। 2021 में इसका शिलान्यास हुआ था और उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके लिए 80 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध करवाई थी। यह यूनिट मात्र साढ़े तीन साल में बनकर तैयार हुई है। बता दें कि उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे में छह नोड्स शामिल हैं, जिनमें लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, झांसी और चित्रकूट है। इसका लक्ष्य रक्षा उत्पादन में बड़े निवेश को आकर्षित करना है। तमिलनाडु के बाद उत्तर प्रदेश दूसरा राज्य है, जिसने एक समर्पित रक्षा गलियारा स्थापित किया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा उत्पादन में उसकी भूमिका को और मजबूत करता है।

राहुल और खड़गे की पीएम से मांग, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा के लिए बुलाएं विशेष संसद सत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम घोषणा पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा, ÷मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और आज के युद्धविराम पर चर्चा करना बहुत जरूरी है, जिसकी घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने की थी। यह सत्र आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का अवसर होगा। मुझे विश्वास है कि आप इस मांग पर गंभीरता से और तेजी से विचार करेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 28 अप्रैल के अपने पत्र का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया था। खड़गे ने अपने पत्र में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री जी, कृपया याद करें कि मैंने राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में आपसे क्या कहा था। मैंने 28 अप्रैल को लिखे पत्र के माध्यम से आपसे पहलगाम में हुए अमानवीय आतंकवादी हमले को देखते हुए संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया था। नवीनतम घटनाक्रमों के मद्देनजर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आपको फिर से पत्र लिखकर सभी विपक्षी दलों के सर्वसम्मत अनुरोध से अवगत कराया है। उन्होंने संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है।

सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान के समकक्षों से की बात, क्षेत्रीय तनाव कम करने पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला ने भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने अपने समकक्षों से बढ़ते सैन्य तनाव को कम करने और शांति बहाल करने की अपील की। सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से अलग-अलग वार्ता की। सऊदी दूतावास के अनुसार विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला ने बातचीत के दौरान दोनों देशों के साथ सऊदी अरब के संतुलित और घनिष्ठ संबंधों को दोहराया। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के प्रति किंगडम की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।सऊदी अरब से पहले अमेरिका के विदेश मंत्री ने भी दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से बातचीत की थी।

भारत-पाक तनाव के बीच फेक न्यूज की भरमार, पीआईबी फैक्ट चेक ने किया फेक न्यूज का ऑपरेशन

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे भारी तनाव, गोलाबारी के बीच सोशल मीडिया पर फेक न्यूज की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया पर भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव को लेकर चल रही फेक खबरों का पीआईबी फैक्ट चेक ने खंडन करते हुए लोगों को सर्तक रहने की सलाह दी है। फेक खबरों की सूची जारी करते हुए पीआईबी फैक्ट चेक की तरफ से बताया गया कि उधमपुर एयरबेस को नष्ट करने की गलत खबरें चलाई जा रही हैं, जबकि उधमपुर एयरबेस चालू है। 'एआईके न्यूज' द्वारा लाइव टीवी पर प्रसारित वीडियो में दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने उधमपुर एयरबेस को नष्ट कर दिया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि प्रसारित वीडियो राजस्थान के हनुमानगढ़ की एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने की घटना से संबंधित है, जिसका भारत-पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति से कोई संबंध नहीं है। इसके साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को माफी मांगते हुए दिखाते हुए एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हो रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह वीडियो एआई द्वारा जनरेट किया गया है और झूठे प्रचार का हिस्सा है। इसके साथ एक भारतीय वायुसेना विमान दुर्घटना का पुराना वीडियो गलत संदर्भ में शेयर किया जा रहा है। भारत-पाकिस्तान के मौजूदा हालात के संदर्भ में वायुसेना विमान दुर्घटना का एक वीडियो गलत तरीके से शेयर किया जा रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह वीडियो वायुसेना के एक जगुआर विमान को दिखाता है जो मार्च 2025 में एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

मां जानकी सीतामढ़ी के लिए लाडली बेटी है :आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराज

सीतामढ़ी। जगत जननी मां सीता सीतामढ़ी के लिए माता नहीं बल्कि लाडली बेटी है।वह तो सीतामढ़ी और सम्पूर्ण मिथिला क्षेत्र के लिए गौरवान्वित करने वाली है।मिथिला सीतामढ़ी की भूमि को उन्होंने मनुष्यता के भाव से सिंचा है। उपरोक्त बातें सीतामढ़ी पुनौराधाम श्री जानकी जन्म स्थान के सीता प्रेक्षागृह में हिन्दुस्थान समाचार की ओर से आयोजित सीता महोत्सव में मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराजी ने कही।उन्होंने मा जानकी के अलग अलग रूपों और धर्म में वर्णित तथ्यों से सभाकक्ष में मौजूद लोगों को अवगत कराया।उन्होंने कहा कि यूं तो चार धाम हैं लेकिन मिथिला की धरती चारों धाम की सिद्धि देने वाली धरती है।उन्होंने कहा कि भगवान के कई रूप और अवतार हैं।उन्होंने कहा कि मां जानकी के चरित्र में किसी तरह का कोई संशय नहीं है।उनका चरित्र तो वेद,प्रशस्ति और स्तुति करने वाला है।सैकड़ों श्लोकों में मां जानकी के रूपों का वर्णन है।महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण सहित अन्य रचित रामायण में जगत जननी के चरित्र का अनोखे ढंग से वर्णन है,जिसे चंद शब्द सीमा में नहीं बांधा जा सकता।वाल्मीकी जी के रामायण में मां सीता की चरित्र व्यंजना वाली है। उन्होंने सीतामढ़ी की भूमि को उपासना वाली भूमि करार दिया।उन्होंने कहा कि मिथिला के बाहर सीता माता है,लेकिन मिथिला में तो वह लाडली सुकुमारी बेटी है।

पाकिस्तान एक जिम्मेदार राष्ट्र कभी भी नहीं बन सकेगा : गुलाम अली खटाना

नई दिल्ली । 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान की ओर से लगातार भारतीय नागरिकों को टारगेट किए जाने पर भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक जिम्मेदार राष्ट्र बनने में विफल रहा है। भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा कि युद्ध कोई समाधान नहीं है, इससे केवल विनाश होता है। हालांकि, पाकिस्तान लगातार हमारे निर्दोष नागरिकों को निशाना बना रहा है। तीन दिनों से वह लगातार मिसाइल और ड्रोन दाग रहा है। जिस तरह की वह हरकत लगातार कर रहा है, यही वजह है कि पाकिस्तान कभी भी एक जिम्मेदार राष्ट्र नहीं बन पाया। वह भारत के खिलाफ चाहे सुरंग खोदने के माध्यम से हो या मादक पदार्थों की तस्करी के माध्यम से, वह हमेशा आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर पर डोभाल-वांग यी की बातचीतः एनएसए बोले- 'आतंक के खिलाफ कार्रवाई जरूरी थी'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के मध्य युद्धविराम की घोषणा के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच शनिवार देर रात अहम टेलीफोनिक वार्ता हुई। इस बातचीत का केंद्र बिंदु हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और क्षेत्रीय शांति रहा। डोभाल ने वांग यी को स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में भारतीय नागरिकों की गंभीर क्षति के बाद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक थी। उन्होंने कहा, 'भारत युद्ध नहीं चाहता, यह हमारी पसंद नहीं थी, लेकिन आतंकी हमले के जवाब में एक्शन जरूरी था।' उन्होंने आशा जताई कि भारत और पाकिस्तान दोनों जल्द ही युद्धविराम के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करेंगे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इस बातचीत में पहलगाम आतंकी हमले

की निंदा की और कहा कि चीन आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध करता है। उन्होंने कहा, वर्तमान वैश्विक परिदृश्य अस्थिर है और एशियाई क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। भारत और पाकिस्तान दोनों चीन के पड़ोसी हैं और इन्हें आपस में सहयोग और संवाद के रास्ते पर चलना चाहिए। वांग यी ने डोभाल के इस रुख की सराहना की कि युद्ध भारत की प्राथमिकता नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और पाकिस्तान संयम बरतते हुए संवाद और परामर्श के माध्यम से अपने मतभेदों का समाधान निकालेंगे और तनाव को बढ़ने से रोकेंगे। उन्होंने कहा, 'चीन भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापक और स्थायी युद्धविराम का समर्थन करता है। यह दोनों देशों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी इच्छा है।' उल्लेखनीय है कि बीते दिनों भारत द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सीजफायर की घोषणा की गई और अब चीन की मध्यस्थता की भूमिका से स्थिति में कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है।

संघर्ष विराम तोड़ने पर विदेश सचिव ने दी कड़ी चेतावनी, स्थिति की गंभीरता को समझे पाकिस्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के साथ सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति के कुछ ही घंटे में इसका उल्लंघन करना शुरू कर दिया है। इस पर विदेश सचिन विक्रम मिस्री ने कहा है कि यह आक्रामकता बेहद निंदनीय है और इसके लिए पाकिस्तान स्वयं जिम्मेदार है। विदेश मंत्री ने कहा, पाकिस्तान को स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए और इस आक्रामकता को रोकने के लिए तत्काल और उचित कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सेना स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और उसे किसी भी घुसपैठ से निपटने के लिए सख्त और कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। एक विशेष वीडियो वक्तव्य में विदेश सचिव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से चल रही शत्रुता को रोकने के लिए आज शाम को सहमति बनी। हालांकि, पिछले कुछ घंटों में पाकिस्तान की

ओर से इस समझौते का गंभीर उल्लंघन हुआ है। भारतीय सैनिक जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं और सीमा पर इस घुसपैठ का जवाब दे रहे हैं।

दिल्ली में अगले हफ्ते में पारा जा सकता है 40 के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कुछ इलाकों में हुई झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। कुछ इलाकों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलीं जिससे मौसम सुहाना बना रहा। दिल्ली का अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि आज सुबह दिल्ली-एनसीआर में बारिश हुई। आने वाले दिनों में दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन आने वाले सप्ताह में उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान 4-6 डिग्री तक बढ़ने की उम्मीद है। रविवार को राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 से 40 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मंगलवार को भी राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 10 और 11 मई को महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। 10 से 14 मई के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज के साथ भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

भारत- पाकिस्तान तनावः नोएडा में रेड अलर्ट,चिल्ला बॉर्डर पर सख्त निगरानी, अस्थायी मोर्चाबंदी

एजेंसी

नोएडा। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर दिल्ली से सटे नोएडा में रेड अलर्ट जारी करते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। इस क्रम में दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाले चिल्ला बॉर्डर पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। यहां अस्थायी रूप से मोर्चाबंदी रकी गई है। एक्सप्रेसवे की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। बैरिकेडिंग कर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है।आने-जाने वाले हर वाहन की सघन चेकिंग की जा रही है।

संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों की सहायता ली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस पूरी तरह तैयार है। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट की ओर से बताया गया कि चिल्ला बॉर्डर के साथ-साथ डीएनडी और कालिंदी कुंज बॉर्डर पर भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है और स्पेशल कमांडो यूनिट्स को अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस की

टीमें 24 घंटे सक्रिय रहेंगी और हर आने-जाने वाले व्यक्ति पर पैनी नजर रखेंगी। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने दिल्ली से नोएडा आने-जाने वाले नागरिकों से भी अपील की है कि वे सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। अफवाह से बचें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर-पश्चिमी इलाकों में स्थित तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगीः डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान तथा गुजरात के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में स्थित तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, श्रीनगर और लेह में महत्वपूर्ण आईएमडी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर देशभर में तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिक एवं तकनीकी विभागों के प्रमुख मौजूद रहे। डॉ जितेंद्र सिंह ने विशेष रूप से सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आईआईआईएम), जम्मू; सीएसआईआर-केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ), चंडीगढ़; सीएसआईआर-केंद्रीय

चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई), जालंधर; सीएसआईआर-सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़; डीबीटी-बायोटेक अनुसंधान नवाचार परिषद (ब्रिक) - राष्ट्रीय कृषि-खाद्य और जैव विनिर्माण संस्थान (एनएबीआई), मोहाली; श्रीनगर और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) प्रतिष्ठान; लद्दाख और आसपास के क्षेत्रों में पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान स्टेशनों की तैयारियों और सुरक्षा तंत्र की समीक्षा की। डॉ जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि वैज्ञानिक सुविधाएं, विशेष रूप से वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत आने वाली सुविधाएं राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने सभी वैज्ञानिक संस्थानों को मौजूदा स्थिति के मद्देनजर अपने मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने और उसे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

सीबीआई ने 8 राज्यों में 42 ठिकानों पर की छापेमारी, 5 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधियों को अवैध रूप से सिम कार्ड मुहैया कराने में शामिल गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की है। यह कार्रवाई ट्रांसनेशनल साइबर क्राइम नेटवर्क और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे अपराधों से जुड़ी है। 'ऑपरेशन चक्र-V' के तहत इन अपराधियों के 8 राज्यों में फैले 42 ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु में टेलीकॉम ऑपरेटर्स के पॉइंट ऑफ सेल एजेंट्स के ठिकानों पर छापे मारे।आरोप है कि ये एजेंट साइबर अपराधियों की मिलीभगत से फर्जी केवाईसी दस्तावेजों के आधार पर सिम कार्ड जारी कर रहे थे। इनका इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट, फर्जी विज्ञापन, निवेश धोखाधड़ी, यूपीआई फ्रॉड जैसे मामलों में हो रहा था। छापों

के दौरान सीबीआई ने मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संदिग्ध केवाईसी दस्तावेज और अपराध की आय से खरीदी गई संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। गिरफ्तार पांचों आरोपी चार अलग-अलग राज्यों से हैं और इन पर टेलीकॉम नियमों का उल्लंघन कर सिम कार्ड बेचने का आरोप है।

भारत में मातृ मृत्यु अनुपात में उल्लेखनीय है सुधार, 2019-21 में एमएमआर में घटकर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 93 हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) के नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट 2021 के अनुसार, भारत में प्रमुख मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त कार्यालय नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2019-21 में घटकर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 93 हो गई, जो 2018-20 में 97 और 2017-2019 में 103 थी। वही 2021 में शिशु मृत्यु दर प्रति 1000 बच्चों में 31 हो गई है। जबकि यह संख्या 2014 में प्रति 1000 जन्म पर 45 बच्चे थी। कुल प्रजनन दर 2021 में 2.0 पर स्थिर है, जो 2014 में 2.3 थी।

आठ राज्य पहले ही मातृ मृत्यु अनुपात का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं जिसमें केरल (20), महाराष्ट्र (38), तेलंगाना (45), आंध्र प्रदेश (46), तमिलनाडु (49), झारखंड (51), गुजरात (53), कर्नाटक (63) शामिल हैं। 2030 तक इसके साथ बारह राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पहले ही यूएमआर (2030 तक <=25) का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं जिसमें केरल (8), दिल्ली (14),

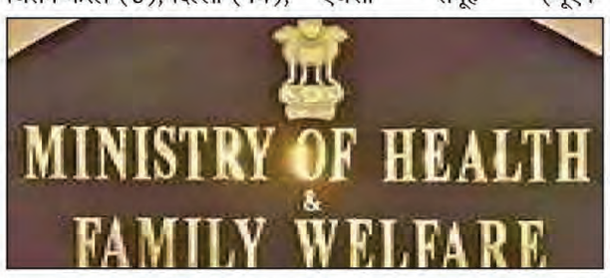

तमिलनाडु (14), जम्मू और कश्मीर (16), महाराष्ट्र (16), पश्चिम बंगाल (20), कर्नाटक (21), पंजाब (22), तेलंगाना (22), हिमाचल प्रदेश (23), आंध्र प्रदेश (24) और गुजरात (24) शामिल है। छह राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पहले ही एनएमआर का एसडीजी लक्ष्य (वर्ष 2030 तक मृत्यु की संख्या 12) प्राप्त कर चुके हैं केरल (4), दिल्ली (8), तमिलनाडु (9), महाराष्ट्र (11), जम्मू और कश्मीर (12) और हिमाचल प्रदेश (12)। 07 अप्रैल 2025 को प्रकाशित वर्तमान संयुक्त राष्ट्र मातृ मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) रिपोर्ट 2000-2023 के अनुसार, भारत की एमएमआर 2020 से 2023 तक में 23 अंकों की कमी आई है। इस उपलब्धि से, 1990 से 2023 तक पिछले 33 वर्षों में 48 प्रतिशत की वैश्विक कमी की तुलना में भारत की एमएमआर में अब 86 प्रतिशत की कमी आई है। भारत बाल मृत्यु दर में कमी लाने वाले शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में से एक है।

दिल्ली में राशन की कोई कमी नहीं : मनजिंदर सिंह सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि राजधानी में न वस्तुएं महंगी होगी न ही राशन की कोई कमी है। खाद्य और आपूर्ति प्रणालियां पूरी तरह से चालू हैं। लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सबका ख्याल रहने के लिए हैं। मनजिंदर सिंह सिरसा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी सरकारे आपातकलीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहती है। इसको लेकर विभिन्न विभागों की बैठक होती है। इसमें घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली पूरी तरह सुरक्षित और यहां किसी भी वस्तु की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अपना काम दिन-रात कर रही है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री आपकी चिंता कर रहे हैं। दिल्ली सुरक्षित थी, दिल्ली सुरक्षित है, भारत सुरक्षित था, भारत सुरक्षित है। उन्होंने सोशल साइटों पर चल रही अफवाहों से

सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि राशन और तेल लेने के लिए न दौड़े। खाद्य और आपूर्ति प्रणालियां पूरी तरह से चालू हैं। हमें डर या घबराहट का शिकार नहीं होना चाहिए। सरकार सभी चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। वस्तुओं की बड़े पैमाने पर खरीद या जमाखोरी की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

आपातकालीन तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में सभी विभागाध्यक्षों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों की तैयारी की समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने बिजली विभाग को बिजली जाने की स्थिति में तैयारी रखने और आवश्यक सेवाओं के लिए बैकअप बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गृह व पुलिस विभाग को परिचालन तत्परता और जल-विद्युत आपूर्ति की सुरक्षा बनाए रखने के आदेश दिए गए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम,नई दिल्ली नगर पालिक आदि को आपात स्थिति में अवसंरचना निर्माण के लिए ठेकेदारों व मशीनरी की सूची तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने दिल्ली परिवहन निगम व दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन को आपात योजना व निकासी के लिए रूट मैप्स व फ्लीट प्रबंधन तैयार करने को कहा। दमकल विभाग को अलर्ट स्थिति में रहने के निर्देश दिए गए। दिल्ली सरकार ने आठ मई को

आदेश जारी कर सभी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दीं। इसके साथ ही अगले आदेश तक किसी भी अधिकारी और कर्मचारी को छुट्टी देने पर रोक लगा दी गई है। दिल्ली में नागरिकों की सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को और मजबूत बनाने के लिए दिल्ली लोक निर्माण विभाग ने नागरिक सुरक्षा निदेशालय के साथ मिलकर 09 मई की दोपहर आईटीओ स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्यालय की बहुमंजिला इमारत पर एयर रेड अलर्ट सायरन का परीक्षण किया। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि शहर की प्रमुख बहुमंजिला इमारतों पर 40 से 50 एयर रेड अलर्ट सायरन लगाए जाएंगे। आपात स्थिति में यह सायरन चेतावनी देने का काम करेंगे। सभी सायरनों को एक केंद्रीय कमांड सेंटर से नियंत्रित किया जाएगा और इनका संचालन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधीन होगा।

सीजफायर उल्लंघन पर सहवाग का पाकिस्तान पर तंज, 'कुत्ते की दुम टेढ़ी ही रहती है'

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भारत के साथ संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन के बाद पाकिस्तान पर निशाना साधा। दोनों देशों द्वारा सार्वजनिक रूप से संघर्ष विराम पर सहमति जताए जाने के कुछ ही घंटे बाद, अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई विस्फोटों की सूचना मिली, जिसमें पाकिस्तानी ड्रोन ने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के संवेदनशील क्षेत्रों को निशाना बनाया। अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर सहवाग ने एक प्रसिद्ध हिंदी मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए पोस्ट किया, कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। यह कहावत, जो आम तौर पर बदलाव के लिए प्रतिरोधी लोगों या संस्थाओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल की जाती है, को पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के रिकॉर्ड पर सीधा कटाक्ष माना जाता है। सहवाग को मुल्तान का सुल्तान कहा जाता है। उन्होंने मुलतान में तिहरा शतक बनाया था। दोनों देशों द्वारा दिन में पहले संयुक्त रूप से औपचारिक संघर्ष विराम समझौते की घोषणा किए जाने के बावजूद उल्लंघन हुआ। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने तत्काल प्रभाव से सभी शत्रुताएं - चाहे भूमि, वायु या समुद्र से - समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी संघर्ष विराम की पुष्टि की। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को रोकने पर एक समझौता किया है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लगातार एक दृढ़ और अडिग रुख़ बनाए रखा है - और यह ऐसा करना जारी रखेगा। हालांकि, एक चौंकाने वाले बदलाव में, शाम को श्रीनगर में विस्फोट हुए।

संपादक की कलम से

महाराष्ट्र में हिंदी विरोध

महाराष्ट्र में प्राथमिक शिक्षा में हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा का दर्जा देने का विरोध तो चिंताजनक है ही, लेकिन इस पर मनसे और शिवसेना (उद्धव गुट) के तीखे तेवर के मद्देनजर फडणवीस सरकार का रक्षात्मक रुख बताता है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध की तुलना तमिलनाडु से नहीं की जा सकती. हालांकि तमिलनाडु की तरह महाराष्ट्र में भी हिंदी विरोध का इतिहास रहा है, जब 1950 के दशक में तत्कालीन बॉम्बे स्टेट में हिंदी विरोधी आंदोलन चला था. वह आंदोलन गुजरात और दक्षिण भारत के खिलाफ भी था. शिवसेना की पूरी राजनीति ही इस पर टिकी थी. अब महाराष्ट्र की राजनीति में खुद को फिर से प्रासंगिक बनाने की कोशिश में लगे उद्धव ठाकरे को हिंदी को मुद्दा बनाकर फडणवीस सरकार पर निशाना साधने का सुनहरा मौका हाथ लगा है. हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाने के फैसले को वह मराठी विरोधी बता रहे हैं. चूंकि मनसे ने भी इस मुद्दे पर सरकार पर हमला बोला है, और उद्धव तथा राज ठाकरे के एक साथ आने की बात चल रही है, इस कारण फडणवीस सरकार रक्षात्मक रवैया अपना रही है. भाजपा के लिए मुश्किल इसलिए भी है, क्योंकि महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों के चुनाव नजदीक हैं. फडणवीस ने पहले कहा था कि मराठी पर हिंदी थोपी नहीं जा रही.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) में तीन भाषाओं को सीखने का अवसर मिला है और नियम कहता है कि इन तीन भाषाओं में से दो भाषाएं भारतीय होनी चाहिए. पर चौतरफा दबाव के बीच रविवार को उन्होंने कहा कि राज्य में मराठी अनिवार्य है, हिंदी नहीं, और अब हिंदी को वैकल्पिक भाषा के रूप में प्रयोग करने की अनुमति दी जायेगी. हालांकि उनका यह भी कहना है कि हिंदी भाषा के लिए शिक्षक उपलब्ध हैं, पर अन्य भाषाओं के लिए शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं. हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाने का फैसला रद्द करने का मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हुए महाराष्ट्र सरकार की भाषा परामर्श समिति की यह टिप्पणी तो बेहद अपमानजनक है कि हिंदी रोजगार, प्रतिष्ठा, आय या ज्ञान की भाषा नहीं है. यह हैरान करने वाली बात है कि जो मुंबई हिंदी सिनेमा का प्राणकेंद्र है, वहीं से हिंदी भाषा के बारे में ऐसी अनर्गल बातें कही जा रही हैं. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की जो भी मजबूरी हो, पर लोगों की सोच पर सवाल उठाते हुए उन्होंने बिल्कुल ठीक कहा है कि हम हिंदी जैसी भारतीय भाषाओं का तो विरोध करते हैं, पर अंग्रेजी की तारीफों के पुल बांधते हैं.

भारतीय अर्थव्यवस्था : किनके लिए अर्थ-व्यवस्था ?

सचिन श्रीवास्तव

अखबारों में भले ही तीन ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बताकर हमारे देश को आर्थिक रूप से श्रेष्ठ देशों की पंक्ति में शामिल बताया जाता हो, लेकिन मैदानी हालात खस्ता हैं। इसकी बानगी के लिए इतना जानना ही काफी है कि देश की अस्सी फीसदी आबादी पांच किलो अनाज की सरकारी इमदाद के भरोसे अपने दिन काट रही है। क्या है, यह गफलत? सरकार और उसके कारिंदे कहां चूक रहे हैं?

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय गहरे संकट में है। सरकार के नीति-निर्माण में असंतुलन, कर्ज का बढ़ता बोझ और सरकार संरक्षित पूंजीवाद के कारण प्रतिस्पर्धा और आत्मनिर्भरता दोनों प्रभावित हो रहे हैं। 80% से अधिक (सकल घरेलू उत्पाद) के बराबर कर्ज और नीति निर्माण में बड़े कॉरपोरेट समूहों की बढ़ती पकड़ ने देश की आर्थिक संप्रभुता को खतरे में डाल दिया है।

सरकार एक ओर निजीकरण और विनिवेश के नाम पर सार्वजनिक संपत्तियों को बेचना चाहती है, जबकि दूसरी ओर कृषि जैसे बुनियादी क्षेत्रों को बड़े औद्योगिक घरानों के हवाले करने की कोशिश कर रही है। ये नीतियाँ न केवल आम जनता के लिए आर्थिक असुरक्षा पैदा कर रही हैं, बल्कि देश की प्रतिस्पर्धी क्षमता को भी कमजोर कर रही हैं।

बढ़ता कर्ज और सरकारी संरक्षणवाद

जर्मन ऑनलाइन प्लैटफॉर्म स्टैटिस्टा के अनुसार, भारत का राष्ट्रीय कर्ज 2020 में 88.43% जीडीपी तक पहुंच गया था, जो अब भी 80% से अधिक बना हुआ है। सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि अर्थव्यवस्था सुधार की ओर बढ़ रही है, लेकिन वास्तविकता यह है कि सरकारी नीतियाँ कुछ विशेष औद्योगिक समूहों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई जा रही हैं, न कि आम जनता या लघु-मध्यम उद्यमों (टरटए) के हित में।

सरकारी बैंक और कंपनियाँ घाटे में बताकर बेची जा रही हैं, लेकिन उन्हें खरीदने वाले उद्योगपतियों को सस्ते ऋण और टैक्स में छूट दी जा रही है। रेलवे, तेल कंपनियाँ, टेलीकॉम और एयरपोर्ट जैसे बुनियादी ढांचों को कुछ खास समूहों के हाथों बेचा जा रहा है, जिससे बाजार में प्रतिस्पर्धा खत्म हो रही है। छोटे व्यापारियों और किसानों को बाजार के भरोसे छोड़ दिया गया है, जबकि बड़े उद्योगपतियों को अरबों की टैक्स रियायतें दी जा रही हैं।

सरकार बार-बार कहती है कि सार्वजनिक उपक्रम घाटे में हैं, लेकिन क्या सच में ऐसा है? बीपीसीएल, एलआईसी, रेलवे, एसएआईएल और अन्य कंपनियों को या तो बेचा जा रहा है या उनके संसाधन निजी हाथों में दिए जा रहे हैं। सरकारी संपत्तियों की बिक्री से जो पैसा आ रहा है, वह मौजूदा कर्ज चुकाने में इस्तेमाल नहीं हो रहा, बल्कि कॉर्पोरेट टैक्स छूट देने और सरकारी खर्च बढ़ाने में इस्तेमाल हो रहा है। बाजार में प्रतिस्पर्धा खत्म हो रही है, क्योंकि सरकारी संरक्षण प्राप्त निजी कंपनियाँ मनमाने दाम वसूल रही हैं। सवाल वही है कि यह निजीकरण की नीति है या बड़े कॉरपोरेट समूहों को फायदा पहुँचाने का तरीका?

किसानों को बाजार के हवाले करने की कोशिश

तीन कृषि कानूनों को जबरदस्ती लागू करने की कोशिश सरकार की नवउदारवादी सोच और पूंजीपतियों की लॉबी का स्पष्ट प्रमाण थी। ये कानून किसान आंदोलन के दबाव में वापस लिए गए, लेकिन सरकार अब भी कृषि सेक्टर में बड़े उद्योगपतियों को प्रवेश दिलाने की कोशिश कर रही है। टरढ (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की कानूनी गारंटी नहीं दी जा रही, ताकि किसान मजबूरी में निजी कंपनियों को अपनी उपज बेचें। कृषि को ठेके की खेती के हवाले करने की योजनाएँ अब भी जारी हैं, जिससे छोटे किसान बिचौलियों और बड़ी कंपनियों पर निर्भर हो जाएंगे। सरकार ने FCI (भारतीय खाद्य निगम) का बजट लगातार घटाया है, जिससे सरकारी खरीद कमजोर हुई और किसान खुले बाजार में जाने को मजबूर हुए।

किसान विरोधी नीतियाँ क्यों खतरनाक हैं?

1. खाद्य सुरक्षा पर खतराः अगर कृषि उत्पादन पूरी तरह बाजार के हाथ में आ गया, तो खाद्य पदार्थों की कीमतें निजी कंपनियाँ तय करेंगी, जिससे गरीबों के लिए अनाज महंगा हो जाएगा।

2. छोटे किसानों की बबार्दीः भारत में 86% से अधिक किसान लघु या सीमांत श्रेणी के हैं। बड़े कॉरपोरेट के साथ प्रतिस्पर्धा में वे टिक नहीं पाएंगे।

3. भूमि अधिग्रहण और विस्थापनः कॉरपोरेट खेती के बढ़ने से गाँवों में जमीनें उद्योगपतियों के हाथों में जाएँगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था खत्म हो जाएगी।

अगर सरकार सच में किसानों का भला चाहती है, तो उसे एमएसपी की कानूनी गारंटी देनी होगी, एफसीआई को मजबूत करना होगा, ताकि सरकारी खरीद में कोई गिरावट न हो। कृषि आधारित छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना होगा, जिससे किसान आत्मनिर्भर बनें। सच्चे प्रतिस्पर्धी बाजार का अर्थ है कि कोई भी नया व्यवसायी बिना किसी भेदभाव के बाजार में प्रवेश कर सके और उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिले, लेकिन भारत में सरकार खुद ही कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को बाजार पर कब्जा करने में मदद कर रही है। टेलीकॉम सेक्टर में सिर्फ दो-तीन कंपनियाँ ही बची हैं, क्योंकि अन्य कंपनियों को प्रतिस्पर्धा से बाहर कर दिया गया है।

पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है

-ललित गर्ग-

पुस्तक-संस्कृति को बल देने और पढ़ने की प्रवृत्ति के आनंद को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाने वाला एक विश्व उत्सव है। हर साल 23 अप्रैल को दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उसे प्रोत्साहन देने एवं दुनिया को जोड़ने के लिए पुस्तक उत्सव अतीत और भविष्य के बीच एक कड़ी, पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच एक पुल है। इस अवसर पर, यूनेस्को और पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों - प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन, अपने स्वयं के प्रयासों के माध्यम से, दिवस के उत्सवों की प्रेरणा को बनाए रखने के लिए एक वर्ष के लिए विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। किताबें, अपने सभी रूपों में, हमें सीखने और खुद को सशक्त रखने का मौका देती हैं। वे हमारा मनोरंजन भी करती हैं और हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं, साथ ही दूसरों की दुनिया में झांकने का मौका भी देती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है अपने तरीके से पढ़ें, यह थीम सभी आयु वर्ग के लोगों विशेषतः बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार किताबें चुनने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ने में आनंद आने का अनुभव कराना और उनकी पढ़ने की आदत को मजबूत बनाना है।

23 अप्रैल विश्व साहित्य में एक प्रतीकात्मक तिथि है। इस दिन कई विश्वप्रसिद्ध लेखकों का जन्मदिवस या पुण्यतिथि होती है। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स और जोसेप प्लाया का इसी दिन निधन हुआ था, जबकि मैनुएल मेजिया वल्लेजो और मौरिस ड्रून इसी दिन पैदा हुए थे। यूनेस्को ने 23 अप्रैल 1995 को इस दिवस को मनाने की शुरूआत की थी। पैरिस में यूनेस्को की एक आमसभा में फैसला लिया गया था कि दुनियाभर के लेखकों का सम्मान करने, उनको श्रद्धांजली देने और किताबों के प्रति रुचि जागृत करने के लिए इस दिवस को मनाया जाएगा। पुस्तकों को ज्ञान का बाग भी कहा जाता है। यदि कोई इन पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर ले तो यकीन मानिए उसे जीवन भर का ज्ञान और हर समस्या का समाधान कुछ ही समय में मिल जाता है। समस्याओं एवं परेशानी के दौर में पुस्तक दोस्ती का पूरा फर्ज निभाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है, किसी भी युग या आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता, इंटरनेट जैसी अनेक आंधियां आयेगी, लेकिन पुस्तक संस्कृति हर आंधी में अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को बनाये रख सकेगी। क्योंकि पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबों का अस्तित्व खत्म नहीं हो सकता। आधुनिकता की बात करें तो भी यह बात हर वक्त संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए। पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं। महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम मन की बात कार्यक्रम में अनेक बार किया। पुस्तकों में जीवन का रहस्यमय एवं रोमांचक संसार है। इसलिये पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहन देकर ही हम उन्नत संस्कार, संसार एवं सृष्टि का निर्माण कर सकेंगे। किताबों में ही किताबों के बारे में जो लिखा है वह भी बहुत उल्लेखनीय और विचारोत्तेजक है। मसलन टोनी मोरिसन ने लिखा है- कोई ऐसी पुस्तक जो आप दिल से पढ़ना चाहते हैं, लेकिन जो लिखी न गई हो, तो आपको चाहिए कि आप ही इसे जरूर लिखें।

शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निःसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने, मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। नरेन्द्र मोदी प्रयोगधर्मा एवं सृजनकर्मा राजनायक हैं, तभी उन्होंने उपहार में बुके नहीं बुक यानी किताब देने की बात कही। सत्साहित्य में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण समाज की संरचना करती है। इसी से सकारात्मक परिवर्तन होता है जो सत्ता एवं कानून से होने वाले परिवर्तन से अधिक स्थायी होता है। यही कारण है कि मोदीजी भारत को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं। पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है, क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य है और जन-जन के लिये उपयोगी है, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी है। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती है। नये मूल्य, नये मापदण्ड, नई योग्यता, नवीन सपने- सकारात्मकता को स्थापित करने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

इंसान घर बदलता है, लिबास बदलता है, रिश्ते बदलता है, दोस्त बदलता है, फिर भी परेशान क्यों रहता है? क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया में बैठना बन्द कर दिया है जबकि इन्हीं पुस्तकों की सार्थक कोशिश होती है कि इंसान बदलें, उसकी सोच बदलें, उसका व्यवहार बदलें लेकिन बदलने की उसकी दिशा सदैव सकारात्मक हो ताकि वह जिंदगी के वास्तविक मायने समझ सके। जब तक इंसान खुद को नहीं बदलता, वह अपनी मंजिल को नहीं पा सकता। मंजिल को पाने एवं जीत हासिल करने के लिए स्वयं का स्वयं पर अनुशासन जरूरी है। यही सूत्र पुस्तक-संस्कृति की उपयोगिता एवं महत्व को उजागर करता है। पुस्तकें एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक दुनिया है, जिसमें विद्वान लेखकों, विचारकों एवं मनीषियों ने अपनी कलम में वही सब कुछ लिखा होता है जिसे उन्होंने अपने आस-पास की जिंदगी में देखा है, भोगा है। इन पुस्तकें के विचार किसी न किसी के द्वारा कभी न कभी सोचा, कहा, लिखा, मनन किया या जीया गया होता है। ये पुस्तकें एक जरिया है, झरोखा है, जिसमें युगों का ज्ञान है, महापुरुषों के अनुभव हैं, संतपुरुषों की सूक्तियां हैं, प्रबुद्धजनों के जीवन का निचोड़ हैं। जिनकी प्रेरणा और ऊर्जा से इंसानों को रोशनी मिलती है, जो सबके घर में आनंद को और सूरज को अवतरित करने की क्षमता का स्रोत भी है।

इंटरनेट और ई-पुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम प्रासंगिक हैं। भारत ही बल्कि दुनिया को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका असंदिग्ध हैं। हजारीप्रसाद द्विवेदी ने तभी तो कहा था कि साहित्य वह जादू की छड़ी है, जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में विश्व पुस्तक दिवस की पुस्तक-प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झंकृत कर उन्हें नये भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है।

चीन के बाद अब बांग्लादेश का रूख रूस, अमेरिका और पाकिस्तान की ओर

– नित्य चक्रवर्ती

अमेरिका का दक्षिण एशिया विभाग बांग्लादेश पर अपनी भावी नीति के बारे में अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए अपना आकलन कर रहा है और ट्रंप के प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी के विचारों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहा है। अमेरिका भी बांग्लादेश में अपने अनुकूल चुनाव के बाद नयी सरकार बनाने में उतना ही इच्छुक है, जितना चीन कोशिश कर रहा है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस इस समय दो महाशक्तियों समेत दुनिया के प्रमुख देशों से सफलतापूर्वक संपर्क साधकर अपनी कूटनीतिक जीत के बीच हैं। इस साल मार्च के आखिरी हफ्ते में बीजिंग की अपनी यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पूरा समर्थन हासिल करने में बड़ी सफलता मिलने के बाद डॉ. यूनुस ने गुरुवार 17 अप्रैल को दो महत्वपूर्ण विदेशी प्रतिनिधि मंडलों का स्वागत किया- एक पाकिस्तान से और दूसरा अमेरिकी सरकार से। रूसी नौसेना का तीसरा सैन्य प्रतिनिधि मंडल चार दिवसीय यात्रा पर चटगांव में है। हाल के दिनों में ढाका में कूटनीतिक गतिविधियों की ऐसी हलचल कभी नहीं देखी गयी।

सबसे महत्वपूर्ण यात्रा अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल की है, जिसका नेतृत्व विदेश विभाग में दक्षिण एशिया मामलों की उप सचिव निकोलचुलिक कर रही हैं। इस वर्ष 20 जनवरी को राष्ट्रपति के पदभार संभालने के बाद ट्रंप-2 शासन से यह पहला उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल था। इससे पहले ट्रंप ने इस वर्ष फरवरी में यह आभास दिया था कि वह बांग्लादेश के मामले में अपने मित्र नरेंद्र मोदी के विचारों को मानेंगे, लेकिन इंटेल प्रमुख तुलसी गबार्ड की रिपोर्ट और पिछले महीने डॉ. यूनुस की बीजिंग यात्रा के बाद हुई चीन-बांग्लादेश की दोस्ती से स्थिति बदल गयी है।

अमेरिका का दक्षिण एशिया विभाग बांग्लादेश पर अपनी भावी नीति के बारे में अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए अपना आकलन कर रहा है और ट्रंप के प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी के विचारों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहा है। अमेरिका भी बांग्लादेश में अपने अनुकूल चुनाव के बाद नयी सरकार बनाने में उतना ही इच्छुक है, जितना चीन कोशिश कर रहा है। अमेरिका जानता है कि चीन ढाका में राजनीतिक खेल में बहुत आगे है और सभी प्रमुख राजनीतिक दलों में उसके समर्थक हैं। डॉ. यूनुस से बातचीत के अलावा प्रतिनिधि मंडल ने सभी प्रमुख पार्टियों, बीएनपी, जमात और छात्र संगठन नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की नयी गठित पार्टी से बातचीत की। बीएनपी ने इस साल दिसंबर से पहले चुनाव कराने की मांग की, जबकि जमात अगले साल की शुरूआत में चुनाव चाहती थी। केवल एनसीपी ने कहा कि चुनाव उनके प्रस्तावित सुधार उपायों जैसे चुनावी कानूनों और संविधान में बदलाव के लागू होने के बाद कराये जाने चाहिए।

अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल अवामी लीग के किसी समूह से मुलाकात करेगा। लेकिन ढाका में अमेरिकी दूतावास के अधिकारी अवामी लीग के कुछ नेताओं के संपर्क में हैं। यह आश्चर्य की बात नहीं होगी कि अमेरिकी दल के ढाका से रवाना होने से पहले एएल नेताओं के साथ एक मुलाकात यात्रा आयोजित की जाये। जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की विदेश सचिव अमीना बलूच की यात्रा द्विपक्षीय संबंधों की स्थापना की तेज गति को सरकार के गिरने और 8 अगस्त को डॉ. यूनुस के अंतरिम प्रमुख बनने के तुरंत बाद शुरू हुआ था।

सर्वोच्च न्यायालय का वक्फ कानून पर सबको खुश करने वाला अंतरिम आदेश

- के रवींद्रन

नये कानून के तहत प्रक्रियात्मक चिंताएं या कथित अतिक्रमण के उदाहरण भी इसे अमान्य करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं जब तक कि मनमानी या लक्षित भेदभाव का एक स्पष्ट पैटर्न नहीं दिखाया जा सकता है। अब तक, चुनौती देने वालों ने वास्तविक नुकसान के प्रलेखित मामलों के बजाय संभावित दुरुपयोग के जोखिम पर अधिक ध्यान दिया है।

विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम पर सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश ने विरोधी खेमों के बीच एक असामान्य संतुलन पैदा कर दिया है, जो निर्णायक हस्तक्षेप के बजाय एक सुनियोजित संतुलनकारी कार्य का संकेत देता है। हालांकि यह आदेश संशोधनों के कार्यान्वयन पर पूर्ण रोक का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, लेकिन यह न्यायिक संयम की एक परत पेश करता है जो आश्वस्त और अस्थिर दोनों है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति किस पक्ष में है। यह कानूनी युद्ध के मैदान को खुला छोड़ देता है, लेकिन संकेत- हालांकि कमजोर- सरकार की स्थिति के अंतिम समेकन की ओर इशारा करते हैं।

सरकार को यथास्थिति बनाये रखते हुए अधिक मजबूत तर्क प्रस्तुत करने का समय देकर, न्यायालय ने अधिक गहन जांच के लिए मंच तैयार किया है जो अंततः विचाराधीन संशोधनों को वैध बना सकता है। सरकार के दृष्टिकोण से, यह अंतरिम व्यवस्था न केवल स्वीकार्य है- परन्तु उसके लिए लाभप्रद भी है। यह मौजूदा कानूनी ढांचे में ठोस खामियों को प्रदर्शित करके बहस को सैद्धांतिक से अनुभवजन्य में बदलने की अनुमति देता है।

पूरे गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में नामित किये जाने की रिपोर्ट, अक्सर निवासियों की जानकारी या सहमति के बिना, निराशा की एक लहर पैदा करती है जिसे सरकार न्यायालय के समक्ष बढ़ाना चाहती है। इस मुद्दे को सामूहिक वंचितता और प्रणालीगत अस्पष्टता के रूप में प्रस्तुत करके, सरकार न केवल प्रशासनिक आवश्यकता, बल्कि सामाजिक न्याय की कहानी गढ़ रही है। फिर महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कहानी एक ऐसी अदालत के साथ प्रतिध्वनित होने की संभावना है जिसने पिछले फैसलों में कानून की सिद्धांतवादी व्याख्याओं पर संतुलन और व्यावहारिकता की ओर झुकाव दिखाया है। समान रूप से महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि न्यायालय ने संशोधित कानून के संचालन पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन मुकदमे के लंबित रहने के दौरान यथास्थिति में इस तरह से बदलाव न करने की चेतावनी दी, जिससे किसी भी पक्ष के अधिकारों को नुकसान पहुंचे। यह दोहरा उद्देश्य पूरा करता है। ये कानूनी चुनौती को निरर्थक बना सकते हैं। लेकिन सरकार के लिए, यह अभी भी अपना मामला बनाने, डेटा एकत्र करने और पिछली व्यवस्था के तहत लंबे समय से चले आ रहे अन्याय के लिए आवश्यक सुधार के रूप में संशोधन को तैयार करने का रास्ता खुला छोड़ता है। न्यायालय के निर्देश के शब्द ही कठोर अंतरिम कदम उठाने की अनिच्छा को दशार्ते हैं, जो अंतिम फैसले के समय उसके हाथ बांध सकते हैं।

इस स्थिति से जो उभरता है, वह एक तरह की न्यायिक हेजिंग है- चुनौती देने वालों को उम्मीद देने के लिए पर्याप्त अस्पष्टता, लेकिन सरकार के लिए पैंतरेबाजी करने के लिए पर्याप्त जगह। चुनौती देने वालों को निश्चित रूप से न्यायालय द्वारा की गयी कुछ टिप्पणियों से सांत्वना मिली है, जो संशोधनों से प्रतिकूल रूप से प्रभावित लोगों के अधिकारों के लिए कुछ हद तक सहानुभूति का संकेत देती हैं। लेकिन यह सांत्वना अंततः वास्तविक से ज्यादा बयानबाजी साबित हो सकती है। न्यायालय का इतिहास बताता है कि जब तक विचाराधीन कानून स्पष्ट रूप से असंवैधानिक या घोर अन्यायपूर्ण न हो, तब तक यह विधायी और कार्यकारी शाखाओं के अधीन रहता है, खासकर जब व्यापक शासन संबंधी मुद्दे शामिल हों।

क्रिश्चियन एलायंस और एसोसिएशन ऑफ सोशल एक्शन जैसे नये हस्तक्षेपकताओं के साथ सरकार का रणनीतिक गठबंधन इसके हाथ को और मजबूत करता है। इन समूहों का तर्क है कि पिछले कानून को धार्मिक या संस्थागत दावों के तहत व्यक्तियों- अक्सर अन्य अल्पसंख्यक समुदायों से- को उनके वैध संपत्ति अधिकारों से वंचित करने के लिए हथियार बनाया गया था। ऐसी आवाजों को एकजुट करके, सरकार कानून को बहुसंख्यकवादी थोपे जाने के रूप में नहीं, बल्कि एक धर्मनिरपेक्ष, समावेशी सुधार के रूप में फिर से परिभाषित कर रही है। यह पुनर्स्थापन महत्वपूर्ण है। यह मुद्दे को एक संकीर्ण प्रशासनिक बदलाव से संपत्ति के अधिकारों को बहाल करने और ऐतिहासिक असंतुलन को ठीक करने के लिए एक नैतिक धर्मयुद्ध में बदल देता है। न्यायपालिका, जब इस तरह के नैतिक ढांचे का सामना करती है- खासकर अगर वास्तविक जीवन की गवाही और आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है - अक्सर विधायी इरादे को बनाये रखने की ओर झुक जाती है जब तक कि एक मजबूत संवैधानिक उल्लंघन साबित न हो जाये।

नये कानून के तहत प्रक्रियात्मक चिंताएं या कथित अतिक्रमण के उदाहरण भी इसे अमान्य करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं जब तक कि मनमानी या लक्षित भेदभाव का एक स्पष्ट पैटर्न नहीं दिखाया जा सकता है। अब तक, चुनौती देने वालों ने वास्तविक नुकसान के प्रलेखित मामलों के बजाय संभावित दुरुपयोग के जोखिम पर अधिक ध्यान दिया है। इसके विपरीत, सरकार मौजूदा प्रणाली की विफलताओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो पहले से ही मूर्त और प्रदर्शन योग्य हैं। साक्ष्य की गुणवत्ता और प्रकृति में यह विषमता अंतिम निर्णय में भारी पड़ सकती है।

टिप्पणियों की भाषा संभावित जटिलताओं के बारे में गहरी जागरूकता का सुझाव देती है।

संघर्षविराम के बाद पाकिस्तान ने पूरी तरह से खोला एयरस्पेस, हवाई यात्रा सामान्य

इस्लामाबाद। भारत के साथ संघर्षविराम की घोषणा के तुरंत बाद पाकिस्तान ने अपने एयरस्पेस को सभी प्रकार की हवाई यातायात के लिए पूरी तरह खोलने का ऐलान किया। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी (पीएए) ने यह जानकारी जारी करते हुए बताया कि देश के सभी हवाई अड्डे अब सामान्य उड़ान संचालन के लिए उपलब्ध हैं। पीएए ने एक बयान में कहा, देश के सभी हवाई अड्डे अब नियमित उड़ानों के संचालन के लिए पूरी तरह से उपलब्ध हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी उड़ान की नवीनतम जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। पिछले कुछ दिनों से भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण पाकिस्तान ने अपने एयरस्पेस का एक हिस्सा बंद कर दिया था, जिससे कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई थीं। इससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा था। अब संघर्षविराम लागू होने के बाद हालात में स्थिरता आई है और हवाई सेवाएं फिर से बहाल कर दी गई हैं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री बोले- परमाणु विकल्प फिलहाल एजेंडे में नहीं

इस्लामाबाद,। भारत के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्पष्ट किया कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल 'फिलहाल एजेंडे में नहीं है'। उन्होंने यह बयान पाकिस्तानी जियो न्यूज़ से बातचीत के दौरान दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण की कोई बैठक नहीं बुलाई गई है। यह प्राधिकरण पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के संचालन से जुड़े निर्णय लेने का सर्वोच्च निकाय है। उनका यह बयान हालिया एक अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी के समाचार के बाद आया है। इसमें एजेंसी ने दावा किया था कि पाकिस्तान में राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण की बैठक बुलाई गई है। आसिफ ने कहा कि वे दुनिया से कह रहे हैं कि संघर्ष केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। इसका दायरा कहीं ज्यादा बड़ा हो सकता है और यह विनाशकारी हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत जो परिस्थितियां बना रहा है, उसके चलते हमारे विकल्प सीमित होते जा रहे हैं।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर शुरू हुआ पर्वतारोहण

काठमांडू। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर इस सीजन का पर्वतारोहण अभियान शुरू हो गया है। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए पर्वतारोहियों का समन्वय करने वाली अलग-अलग संस्थाओं की तरफ से सभी रास्तों को रस्सी और सीढ़ियों से जोड़ दिए जाने के बाद पर्वतारोहियों ने शनिवार से चढ़ाई भी शुरू कर दी। एटीके एक्सपीडिशन कंपनी ने मीडिया को बताया कि उनकी तरफ से तैनात सात सदस्यीय शेरपा टीम ने शुक्रवार को एवरेस्ट की चोटी तक के रास्ते में रस्सियों को लगा कर चढ़ाई का द्वार खोल दिया है। माउंट एवरेस्ट के साथ ही पर्वतारोहियों के लिए माउंट लोत्से और माउंट अमाडबलम की चोटी पर रस्सियां लगा दी थीं। पर्यटन विभाग ने कहा है कि एवरेस्ट की चोटी तक जाने वाले रास्ते के पूरा होने के साथ ही एवरेस्ट सहित अन्य चोटियों पर चढ़ाई आधिकारिक तौर पर शनिवार को शुरू हो गई। पर्यटन विभाग के निदेशक लीलाधार अवस्थी ने कहा कि इस साल एवरेस्ट चढ़ाई का मौसम आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। पहले चरण में पर्वतारोहियों की संख्या सबसे अधिक होने की उम्मीद है क्योंकि मौसम अनुकूल है। एटीके एक्सपीडिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक पर्वतारोही लाक्पा शेरपा ने कहा कि पर्वतारोहियों की अधिकतम संख्या 11 से 14 मई तक चोटी पर पहुंचने की संभावना है क्योंकि एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए मौसम अनुकूल है। इस सीजन में विश्व रिकॉर्ड धारक कामी रीता शेरपा 31वीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई करके अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करने वाली हैं। इसी तरह ताशी ग्यालजेन शेरपा 20 दिनों में चार बार एवरेस्ट पर चढ़ाई करके विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना के साथ एवरेस्ट पहुंची हैं। ऐसे ही एक अन्य विश्व रिकॉर्ड धारक सानू शेरपा तीसरी बार 8,000 मीटर से ऊपर के पहाड़ों पर चढ़ाई करके अपना रिकॉर्ड तोड़ने की योजना बना रहे हैं।

श्रीलंका में सड़क दुर्घटना में आठ की मौत, 30 घायल

कोलंबो। श्रीलंका के मध्य प्रांत में स्थित कोटमाले में रविवार सुबह एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से आठ लोगों की मौत हो गई और 30 से

अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों में पांच पुरुष और बाकी महिलाएं हैं। पुलिस ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए क्षेत्रीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि श्रीलंका में सड़क दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब दिया कश्मीर मुद्दे पर समाधान का ऑफर

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर अब भारत और पाकिस्तान को सहयोग का प्रस्ताव दिया है। सोशल मीडिया 'ट्रुथ' पर आज रविवार को एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं ताकि 'हजार साल बाद भी सही,' कश्मीर पर कोई समाधान निकाला जा सके। उल्लेखनीय है कि कश्मीर मध्य पर भारत और पाकिस्तान के बीच का मुद्दा भारत की दृष्टि से हमेशा द्विपक्षीय रहा है। दूसरी ओर यह मुद्दा 1947 में पाकिस्तान की अस्तित्व में आने के बाद का है, जिसे ट्रंप हजारों साल

पुराना बता रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कल सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति की जानकारी इसी सोशल मीडिया के माध्यम से दी थी। वही आज फिर उनका एक बयान आया है। उन्होंने लिखा कि उन्हें भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व पर गर्व है, जिन्होंने समझदारी और साहस दिखाया।

यह सही समय था आक्रोश को रोकने का, जिससे भारी विनाश और लोगों की मौत हो सकती थी। अमेरिका को इस ऐतिहासिक फैसले में मदद करने पर गर्व है। उन्होंने बिना किसी चर्चा के यह घोषणा की कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार काफी हद तक बढ़ाएंगे।कश्मीर मुद्दे को लेकर उन्होंने पहली बार खुलकर यह संकेत दिया कि अमेरिका इसमें एक सक्रिय भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि वह यह देखना चाहते हैं कि क्या इस पुराने विवाद का समाधान संभव है।

रूस ने रखा यूक्रेन के साथ बिना शर्त वार्ता का प्रस्ताव

एजेंसी

मास्को। विजय दिवस के समापन के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रुख युद्ध को लेकर कुछ नरम पड़ता दिखाई दे रहा

है। उन्होंने रविवार को सभी को चौंकाते हुए यूक्रेन के सामने बिना किसी शर्त के शांति वार्ता का प्रस्ताव दे दिया। पुतिन ने कहा कि वह तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल में यूक्रेनी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि ऊधर यूक्रेन की तरफ से अभी इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। न्यूज एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि बिना किसी शर्त के एक बार फिर वह यूक्रेन के साथ बात करने के इच्छुक हैं। मास्को बार-बार युद्ध विराम की कोशिश कर रहा है। उसके बाद भी यूक्रेन की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद एक संयुक्त मसौदा तैयार किया गया था। लेकिन बाद में यूक्रेन उस मसौदा से पलट गया। गौरतलब है कि नाजी जर्मनी के ऊपर अपनी जीत के 80 वें वर्ष को विजय दिवस के रूप में मना रहे रूस ने यूक्रेन से तीन दिनों के लिए एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा की थी। यह युद्ध विराम रविवार को समाप्त हो गया।

इमरान खान की पार्टी पहुंची हाईकोर्ट, कहा-उन्हें रिहा किया जाए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में मौत की कथित अफवाहों के बीच उनकी पार्टी इस्लामाबाद के हाईकोर्ट पहुंच गई है। उन्होंने अदालत से कहा कि जेल में इमरान को जान का खतरा है। इसलिए उन्हें रिहा कर दिया जाए। उधर पाकिस्तान की सरकार ने उनकी जेल में मौत की अफवाह पर सफाई देते हुए कहा कि इमरान जेल में सुरक्षित हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस समय रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद हैं। सोशल मीडिया पर अफवाह फैली की उनकी जेल में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनकी मौत का फर्जी वीडियो वायरल होते ही खलबली मच गई। इस संबंध में पाकिस्तान सरकार की कथित तौर पर एक फर्जी रिलीज भी वायरल होने लगी। इसके बाद पाकिस्तान की सरकार तुरंत हरकत में आई। सरकार ने साफ किया कि इमरान खान जेल में सुरक्षित हैं। साथ ही लोगों से

अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील भी की। उधर इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी भी सक्रिय हो गई।दावा है पार्टी के नेता अली अमीन ने इस्लामाबाद के हाईकोर्ट में आवेदन दिया है। उसमें कहा गया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते आदियाला जेल में ड्रोन हमले की आशंका है। साथ ही जेल में उनका स्वास्थ्य भी बिगड़ रहा है। इसलिए उन्हें तुरंत ही जेल से पैरोल पर रिहा किया जाए। हालांकि अदालत ने इस मामले में की सुनवाई के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की है।

शेख हसीना की पार्टी 'अवामी लीग' पर अंतरिम सरकार ने लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक बड़ा राजनीतिक निर्णय लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह प्रतिबंध आतंकवाद विरोधी अधिनियम (एंटी टेररिज्म एक्ट) के तहत लगाया गया है। साथ ही, सरकार ने अंतरराष्ट्रीय अपराध (अदालत) अधिनियम में संशोधन कर छात्र-नेतृत्व वाले जनविद्रोह के दमन में पार्टी की कथित भूमिका की जांच और मुकदमे की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई आपात बैठक के बाद यह घोषणा की गई। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कानूनी सलाहकार असीफ नजरुल ने सरकार के तीन मुख्य फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों की आधिकारिक अधिसूचना आगामी कार्यदिवस पर जारी की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अवामी लीग की सभी गतिविधियों, जिनमें ऑनलाइन और डिजिटल मंचों पर

संचालन भी शामिल है, फिलहाल पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगी, जब तक कि न्यायिक निर्णय नहीं आ जाता। यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, जुलाई जनविद्रोह में शामिल कार्यकर्ताओं की सुरक्षा, और अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल (आईसीटी) के गवाहों व शिकायतकर्ताओं की रक्षा के दृष्टिकोण से उठाया गया है। इसके अतिरिक्त, जुलाई घोषणा पत्र का अंतिम संस्करण अगले 30 कार्यदिवसों में प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें छात्र आंदोलन से संबंधित दस्तावेज और आरोप शामिल होंगे। सरकार का कहना है कि प्रतिबंध का उद्देश्य देश में राजनीतिक स्थिरता बनाए रखना और आगामी आम चुनावों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है। हाल के हफ्तों में अवामी लीग द्वारा देशभर में किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों और कथित हिंसक गतिविधियों को लेकर प्रशासन सतर्क था। हालांकि, इस प्रतिबंध पर अवामी लीग या शेख हसीना की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

शहबाज शरीफ ने कहा- 'सीजफायर सभी के हित में, पाकिस्तान शांति चाहता है'

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए हाल ही में हुए भारत-पाकिस्तान युद्धविराम (सीजफायर) समझौते को सभी के हित में बताया और इस पहल को पाकिस्तान की शांति-प्रिय सोच का प्रतीक करार दिया। प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा, हम एक जिम्मेदार देश हैं। हमने बार-बार दिखाया है कि हम शांति के पक्षधर हैं। यह सीजफायर समझौता सभी के लिए लाभकारी है और हमने इसे बहुत सकारात्मक भावना के साथ स्वीकार किया है। उन्होंने अपने संबोधन में सऊदी अरब और चीन जैसे मित्र देशों का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए। हालांकि, शरीफ ने इस दौरान भारत

पर नागरिकों की हत्या, मस्जिदों को नष्ट करने और झूठी सूचनाएं फैलाने के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा, भारत झूठे प्रचार से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भ्रमित कर रहा है, जबकि असली जमीनी हालात बेहद अलग हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने हमारे सैन्य हथियारों को उड़ाया और सैन्य अड्डों को तहस-नहस कर दिया। भारत के हमले में पाकिस्तान के कई जवान भी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा, हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक पाकिस्तान को उसकी खोई हुई गरिमा वापस नहीं मिलती। खुदा के फज़ल से वह वक्त दूर नहीं है। उन्होंने कहा कि यह युद्धविराम केवल एक अस्थायी समझौता नहीं, बल्कि भविष्य में स्थायी शांति और सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, यदि सभी पक्ष अपनी जिम्मेदारी समझें। शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत के साथ पानी और जम्मू कश्मीर का मसला हल करने के लिए बातचीत की उम्मीद है। पाक पीएम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी शुक्रिया अदा किया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार शाम को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के ऐलान की घोषणा की गई थी। इस दौरान कहा गया था कि अब दोनों देशों के बीच कोई हमले और गोलीबारी नहीं होगी। हालांकि इस ऐलान के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने कश्मीर पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। राजस्थान और गुजरात के कई इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोन भी देखे गए।

अफगानिस्तान के जाबुल प्रांत में अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में बड़ा कदम

एजेंसी

काबुल। दक्षिणी अफगानिस्तान के जाबुल प्रांत में एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया है। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने दी। यह प्रयोगशाला ज़ाबुल जैसे कम विकसित क्षेत्र में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ कराने के उद्देश्य से स्थापित की गई है।

इस प्रयोगशाला के निर्माण में लगभग 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग दो करोड़ रुपये) की लागत आई है। यह केंद्र अत्याधुनिक मशीनों और उपकरणों से लैस है, जो स्थानीय निवासियों और विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सुलभ और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। यह प्रयास अफगानिस्तान में युद्ध के बाद की स्थिति में स्वास्थ्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अफगान अंतरिम सरकार ने एक बार फिर यह दोहराया है कि वह देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और चिकित्सा ढांचे को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की योजना है कि दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों में भी चिकित्सा सुविधाएं इस तरह उपलब्ध कराई जाएं ताकि हर नागरिक को समय पर और बेहतर इलाज मिल सके। ज़ाबुल प्रांत, जो अब तक बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझता रहा है, इस नई प्रयोगशाला के माध्यम से अब प्राथमिक चिकित्सा जांच और उपचार के क्षेत्र में एक नई शुरुआत कर रहा है। इस पहल से क्षेत्र के लोगों को राजधानी या बड़े शहरों में जाकर जांच कराने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

सूडान में जेल पर ड्रोन हमले में 20 कैदियों की मौत, 50 घायल

एजेंसी

काहिरा। सूडान के उत्तरी कोर्डोफान राज्य की राजधानी ओबेद में स्थित एक मुख्य जेल पर हुए संदिग्ध ड्रोन हमले में कम से कम 20 कैदियों की मौत हुई, जबकि 50 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हमला अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) का बताया जा रहा है। सूडानी सूचना मंत्री और सैन्य गठबंधन सरकार के प्रवक्ता खालिद एलीसर ने इसकी पुष्टि करते हुए हमले की कड़ी निंदा की। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब आरएसएफ देशभर में सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमलों की संख्या बढ़ा रही है। ओबेद, राजधानी खार्तूम से लगभग 363 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है और हाल के सप्ताहों में यह क्षेत्र बार-बार संघर्ष का केंद्र बन गया है। इस महीने की शुरुआत में

आरएसएफ ने पोर्ट सूडान शहर पर भी कई दिनों तक ड्रोन हमले किए थे, जो इस समय सरकार की अस्थायी राजधानी के रूप में काम कर रहा है। इन हमलों में वहां के हवाई अड्डों, समुद्री बंदरगाहों और ईंधन भंडारण जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं को निशाना बनाया गया था। जबकि बीते दिन शुक्रवार को पश्चिमी दारफुर क्षेत्र में आरएसएफ ने विस्थापितों के एक कैंप पर बमबारी की थी, जिसमें 14 लोगों की जान गई थी। वहीं, सूडानी सेना ने दक्षिण दारफुर के न्याला हवाई अड्डे पर हवाई हमला किया था, जिसमें 12 से अधिक आरएसएफ अधिकारी मारे गए थए। सूडान 15 अप्रैल, 2023 से गृहयुद्ध की चपेट में है, जब सेना और आरएसएफ के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव ने खुली जंग का रूप ले लिया। राजधानी खार्तूम से शुरू हुई यह लड़ाई अब देश के दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों तक फैल चुकी है। अब तक इस गृहयुद्ध में 24,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। करीब 1.3 करोड़ लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं, जिनमें 40 लाख से अधिक शरणार्थी अन्य देशों की ओर पलायन कर चुके हैं।

यूक्रेन व उसके सहयोगियों ने की 30 दिन के युद्धविराम की पेशकश, ईयू ने कहा- अब निर्णय रूस को करना है

एजेंसी

कीव। यूक्रेन और उसके अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों ने रूस के साथ 30 दिन के पूर्ण और बिना शर्त युद्धविराम के लिए अपनी तत्परता जताई है, जो सोमवार (12 मई) से लागू हो सकता है। इस बात की पुष्टि यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्रीई सिबीहा ने की। विदेश मंत्री सिबीहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा,'यूक्रेन और सभी सहयोगी स्थल, वायु और समुद्र पर 30 दिनों के पूर्ण और बिना शर्त युद्धविराम के लिए तैयार हैं। यदि रूस सहमति देता है और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित होती है, तो यह स्थायी शांति वार्ताओं की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो सकता है। यह घोषणा ऐसे समय पर की गयी है जब संघर्ष के तीन साल पूरे होने को हैं और कूटनीतिक प्रयासों में तेजी लाई जा रही है। चार प्रमुख यूरोपीय देशों (फ्रांस, यूके, जर्मनी और पोलैंड) के

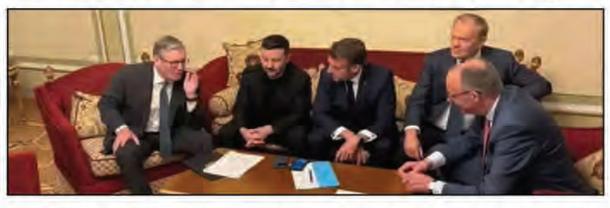

नेताओं का कीव पहुंचना भी इसी दिशा में एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। हालांकि यह प्रस्ताव सबसे पहले अमेरिका द्वारा मार्च में रखा गया था, जिसे यूक्रेन ने तत्परता से स्वीकार किया, लेकिन रूस ने अब तक इसमें रुचि नहीं दिखाई है और कथित तौर पर अधिक अनुकूल शर्तों की मांग कर रहा है। यूरोपीय संघ (ईयू) ने भी इस पहल का समर्थन किया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, 'हम पूर्ण और बिना शर्त 30 दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। इसे किसी भी पूर्व शर्त के बिना लागू किया जाना चाहिए ताकि सार्थक शांति वार्ताएं शुरू हो सकें।÷ उन्होंने आगे चेतावनी दी, ÷यदि युद्धविराम का उल्लंघन होता है तो यूरोपीय संघ रूस पर और अधिक कड़े प्रतिबंध लगाने को तैयार है।

संघर्ष रोकने के लिए पाकिस्तान ने ट्रम्प नेतृत्व की सराहना की

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व और क्षेत्र में शांति के लिए उनकी सक्रिय भूमिका की प्रशंसा की है। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को रोकने को लेकर बनी सहमति के बाद यह बयान आया है। उन्होंने कहा कि

पाकिस्तान इस परिणाम को स्वीकार करता है, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के हित में है। शाहबाज शरीफ ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भी धन्यवाद किया। उन्होंने इन दोनों नेताओं को दक्षिण एशिया में शांति के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सराहा। प्रधानमंत्री ने इसे एक नया अध्याय की शुरुआत बताया और कहा कि यह क्षेत्र को शांति, समृद्धि और स्थिरता की ओर बढ़ने से रोकने वाले मुद्दों के समाधान की दिशा में एक कदम है।

अमेरिका के नेवार्क में डेमोक्रेटिक मेयर रास बराका गिरफ्तार

एजेंसी

नेवार्क। नेवार्क के डेमोक्रेटिक मेयर रास बराका को गिरफ्तार कर लिया गया। नेवार्क संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूजर्सी प्रांत का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। बराका को आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन हिरासत केंद्र के पास हिरासत में लिया गया है। न्यूजर्सी के डिस्ट्रिक्ट के अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी एलिना हब्बा ने बराका को गिरफ्तार करने की पुष्टि एक्स पोस्ट में की। एबीसी न्यूज ने अपनी खबर में एलिना हब्बा के हवाले से लिखा कि मेयर रास बराका को कांग्रेस के सदस्यों के साथ आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन हिरासत केंद्र में शामिल होने के दौरान गिरफ्तार किया गया। वह अगले महीने न्यूजर्सी के प्राइमरी में गवर्नर के लिए डेमोक्रेटिक नामांकन की मांग करने वाले छह उम्मीदवारों में से एक हैं। बराका ने होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन की चेतावनी के बावजूद आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन हिरासत केंद्र में अनधिकार प्रवेश किया। एलिना हब्बा ने कहा कि बराका के खिलाफ कोई संघीय आरोप दायर नहीं किया गया है। बराका के 2025 गवर्नर अभियान के प्रवक्ता ने बयान ने उनको गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। बताया गया है कि बराका न्यूजर्सी के

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के तीन सदस्य डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि बोनी वॉटसन कोलमैन, लामोनिका मैकाइवर और रॉबर्ट मेनेंडेज जूनियर के साथ आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन हिरासत केंद्र का निरीक्षण करने गए थे। कोलमैन, मैकाइवर और रॉबर्ट के पास इसके लिए अनुमति थी। इसलिए बराका को केंद्र से बाहर निकलने को कहा गया। मगर उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इसलिए उन्होंने गिरफ्तार कर लिया गया। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन हिरासत केंद्र के बाहर शुक्रवार शाम पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस के तीनों डेमोक्रेटिक सदस्यों ने कहा कि उन्हें यह नहीं बताया गया कि मेयर को क्यों गिरफ्तार किया गया। उन्हें अचानक 20 से अधिक सशस्त्र अधिकारियों ने हिरासत में लिया। इससे वह लोग भयभीत हैं। बराका समर्थक मैकाइवर ने पत्रकारों से कहा, हम लड़ते रहेंगे। इस लड़ाई का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। न्यूजर्सी के गवर्नर फिल मर्फी ने एक बयान में बाराका की गिरफ्तारी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मेयर बराका को फौरन रिहा किया जाए। सहायक होमलैंड सुरक्षा सचिव ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा कि बराका ने केंद्र के एक अधिकारी पर हमला करने की कोशिश कर माहौल को बिगाड़ा। सीनेटर कोरी बुकर ने कहा कि यह घटना परेशान करने वाली है। यह इस घटना समुदायों की सुरक्षा और संरक्षा को कमजोर करने वाली है। मेयर बाराका को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। न्यूजर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू जे. प्लैटकिन ने भी बराका की गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बराका को गिरफ्तार करना लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन है।

सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान पर बरसे शिखर धवन, लिखा- घटिया देश ने...

एजेंसी

नई दिल्ली। सीजफायर होने के चार घंटे बाद ही पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर फिर उतारू हो गया और भारत के इलाकों में फिर से बमबारी चालू कर दी। भारतीय फौजें इसका जोरदार जवाब दे रही हैं। वहीं, पाकिस्तान की इस हरकत से भारतीय क्रिकेटर भी बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। बीते दिन भी धवन ने इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद!

ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स की बाय बाय, हवाई अड्डे पर किया फ्लाइट का घंटों इंतजार

सिडनी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के हालात के चलते इंडियन प्रीमियर लीग और पाकिस्तान सुपर लीग के स्थगित होने के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की स्वदेश वापसी शुरु हो गयी है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है। भारतीय अधिकारियों ने शुक्रवार को घोषणा की कि लीग को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सूत्रों ने बताया कि इस सूचना के बाद पाकिस्तान सुपर लीग ने अपने शेष मैचों को स्थगित कर दिया, इससे पहले उसने संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित करने की घोषणा की थी। यह घटनाक्रम धर्मशाला में आईपीएल मैच के रद्द किए जाने के बाद हुआ। खिलाड़ियों को हवाई अड्डे बंद होने के कारण देश छोड़ने में कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। कुछ खिलाड़ियों को उड़ान से पहले 8 घंटे की ट्रेन यात्रा और 4 घंटे तक की बस यात्रा करनी पड़ी है। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के बाद आईपीएल खिलाड़ियों और कर्मचारियों के साथ-साथ कमेंटेटरों और प्रोडक्शन क्रू को धर्मशाला से वापस दिल्ली लाने के लिए एक विशेष ट्रेन सेवा शुरू की गई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमेशा एक मुख्य प्राथमिकता है और हम बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करते हैं।

शुभमन गिल होंगे नए टेस्ट कप्तान, ऋषभ पंत उपकप्तान!

नई दिल्ली । प्रतिभाशाली बल्लेबाज शुभमन गिल को टेस्ट में भारतीय टीम की कमान सौंपी जा सकती है जबकि खेल के इस पारंपरिक प्रारूप में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नए उप-कप्तान होंगे। उप-कप्तान का चयन सरल लगता है क्योंकि पंत विदेशी परिस्थितियों में भारत के बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं और जसप्रीत बुमराह का कद इतना बड़ा है कि उन्हें उप-कप्तान की भूमिका के लिए नहीं चुना जा सकता है और साथ ही जब उनकी खुद की फिटनेस भी संदिग्ध है तो उनका पूरी श्रृंखला के लिए खेलना अनिश्चित है। पंत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतकों के साथ 42 से अधिक के औसत से इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। वह इन देशों में सात बार 90 और 99 के बीच स्कोर बना चुके हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया कि अगर बुमराह कप्तान नहीं हैं तो उन्हें उप-कप्तानी की पेशकश करने का कोई मतलब नहीं है। क्रिकेट जगत जहां करिश्माई विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा से हैरान है तो वहीं पता चला है कि चयन समिति ने इंग्लैंड में उन्हें कप्तानी सौंपने के विचार पर विचार किया है ताकि गिल को खुद को निखारने के लिए कुछ और समय मिल सके।

सीजफायर के बीच क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी, इसी सप्ताह शुरू होगा आईपीएल 2025

नई दिल्ली। भारत और पाक युद्ध विराम की घोषणा के तुरंत बाद ही आईपीएल 2025 के लिए रास्ता खुल गया है। माना जा रहा है कि आईपीएल गुरुवार या अधिकतम फिर से शुरू हो सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) विवरण और शेष फिक्स्चर को अंतिम रूप देने के लिए एक बैठक कर रहा है, और यह विश्वसनीय रूप से समझा जाता है कि धर्मशाला को छोड़कर, मैच पूरे भारत में खेले जाएंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब भारत ने दिन में पाकिस्तान से संपर्क करने के बाद युद्धविराम पर सहमति जताई थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सीमा पार तनाव के कारण इस कैश-रिच लीग को स्थगित कर दिया था, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो जाएगी। हर फ्रैंचाइज़ के विदेशी खिलाड़ी अपने घर वापस आ रहे हैं, लेकिन उन्हें जल्द से जल्द अपनी-अपनी टीमों से जुड़ने के लिए कहा जाएगा। पता चला है कि हर टीम का विदेशी दल हवाई अड्डे की स्थिति के कारण घबराया हुआ था क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि सीमा तनाव के कारण उनकी गतिविधियाँ प्रभावित हों। हर फ्रैंचाइज़ अब अपनी व्यवस्थाएँ शुरू कर देगी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड से विस्तृत निर्देश का इंतज़ार करेगी।

तीरंदाजी विश्व कप चरण-2 में मधुरा ने जीता पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक

एजेंसी

शंघाई। तीरंदाजी विश्व कप चरण-2 में स्वप्निल वापसी करते हुए मधुरा धामनगांवकर ने यहां यूएसए की कार्सन क्रेहे पर 139-138 से शानदार जीत दर्ज कर अपना पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक जीता। मधुरा तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं करने के कारण विश्व तीरंदाजी रैंकिंग में बिना किसी रैंक के हैं। वह तीसरे सेट के बाद 81-85 से पीछे चल रही थीं, लेकिन 24 वर्षीय तीरंदाज ने दबाव में उल्लेखनीय संयम दिखाया और लगभग दोषरहित चौथे सेट में सिर्फ एक अंक गंवाकर स्कोर 110-110 पर बराबर कर दिया। निर्णायक सेट में उन्होंने दो परफेक्ट 10 और 9 के स्कोर के साथ अपनी हिम्मत बनाए रखी और रोमांचक अंत में क्राहे को एक अंक से पीछे छोड़ दिया। यह मधुरा का इस स्पर्धा में तीसरा पदक था। इससे पहले उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में

रजत और अभिषेक वर्मा के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था, जो तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी में उनकी उल्लेखनीय वापसी थी। 24 वर्षीय मधुरा ने पहले कभी विश्व कप पदक नहीं जीता था, तीन साल बाद वापसी करते हुए प्रतियोगिता में अपनी दूसरी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उनकी आखिरी उपस्थिति मेडेलिन में 2022 तीरंदाजी विश्व कप चरण 4 में थी। इससे पहले भारतीय मिश्रित तीरंदाजों ने यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण 2 में टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। पदक दौड़ का मुख्य आकर्षण अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव की पुरुष टीम का जीता गया स्वर्ण था, जिन्होंने तनावपूर्ण फाइनल में मैक्सिको को 232-228 से हराया। भारत ने पहले छोर पर लगभग दोषरहित 59 अंकों के साथ 2 अंकों की बढ़त लेते हुए जोरदार शुरुआत की, जबकि मैक्सिको ने 57 अंक बनाए।

दूसरे छोर पर मैक्सिको ने 58 अंकों के साथ वापसी की, जबकि भारत ने 56 अंकों के साथ मैच को आधे चरण में 115-115 से बराबर कर दिया। तीसरे दौर में भारत ने 58 का स्कोर करके फिर बढ़त हासिल की, जबकि मैक्सिको ने 57 का स्कोर बनाया, जिससे भारतीयों को 173-172 की मामूली बढ़त मिली।

जिला स्तरीय कलर बेल्ट में ताइक्वांडो के 35 खिलाड़ियों ने उत्तीर्ण की परीक्षा

एजेंसी

मुरादाबाद। लाजपत नगर स्थित थापा ताइक्वांडो एकेडमी में जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा जिला स्तरीय कलर बेल्ट परीक्षा आयोजित हुई। जिसमें थापा ताइक्वांडो एकेडमी के 35 खिलाड़ियों ने कलर बेल्ट प्रमोशन टेस्ट दिया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि इस परीक्षा में येलो बेल्ट के लिए-दिवगुण, गुरकीरत, कनिका, कृषनया आनंद, नूर अफ़शा, समृद्धि, आयुष शर्मा, प्रिया, नित्या गुप्ता, आयुष खन्ना, मोहम्मद इमाद, श्रेणिका, अक्षरा गौतम, वैष्णा वर्मा, सिद्धार्थ सक्सेना, आरुष भारद्वाज आदि ने परीक्षा उत्तीर्ण की। ग्रीन बेल्ट के लिए-अव्यान रस्तोगी, वंश कुमार, अनुषा पराशर, दर्शिव सिकदर , नायरा सुनेजा, प्रज्ञान कौशिक, चिरायु आदि ने परीक्षा उत्तीर्ण की। ग्रीन वन बेल्ट के लिए अनिष्का अग्रवाल, प्रभात सिंघल, अक्षय बाजपाई, प्रतिभा बाजपाई, सान्वी सिंह ने उत्तीर्ण की। ब्लू बेल्ट के लिए-आलिया पाशा, खुशी शर्मा, ओम आदि ने उत्तीर्ण की। ब्लू वन बेल्ट के लिए-दिव्यांश राजौरी और प्रेरणा ने

उत्तीर्ण की। रेड बेल्ट के परीक्षा-आकांशा चौधरी और वैभव ने उत्तीर्ण की। परीक्षक के रूप में राष्ट्रीय रेफरी सुमित शर्मा ने कलर बेल्ट परीक्षा ली। इस मौके पर एकेडमी के हेड कोच केशव थापा तथा ट्रैनर यशोदा थापा, हाकेमीन हसीब , प्रियांशु रस्तौगी मौजूद रहे ।

पूर्वोत्तर रेलवे के हॉकी खिलाड़ी अतुलदीप ने जीता स्वर्ण पदक

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी अतुलदीप ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से रेलवे का नाम रोशन किया है। मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के छठे संस्करण (29 अप्रैल से 6 मई 2025 तक) में उन्होंने भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट वायुसेना के रघबीर सिंह भोला हॉकी स्टेडियम, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया था। उसमें बारह टीमों ने भाग लिया। उनमें दो अन्य देशों की वायुसेना हॉकी टीमें भी शामिल थीं। फाइनल मुकाबले में भारतीय रेलवे की टीम ने रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला को 2 गोल (टाई ब्रेकर में 3-1) से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस बड़ी जीत में अतुलदीप को 'मैन ऑफ द मैच' तथा उनके साथी अमृतपाल सिंह को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया। विजेता टीम को 3 लाख और उपविजेता को 2 लाख की नकद राशि के साथ ट्रॉफी प्रदान की गई। वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल पी. के. घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पुरस्कार वितरित किए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। गौरतलब है कि यह टूर्नामेंट

वायुसेना के महानायक मार्शल अर्जन सिंह, डीएफसी की स्मृति में आयोजित किया जाता है। उनका हॉकी के प्रति जुनून उल्लेखनीय था। भारतीय वायुसेना के इस पूर्व सैनिक ने हमेशा ही वायु योद्धाओं को एक ऐसे वीर के रूप में प्रेरित किया, जिन्होंने आगे रहकर नेतृत्व किया, चाहे वह युद्ध का मैदान हो या फिर खेल का मैदान हो। अतुलदीप बीते नौ वर्षों से भारतीय रेलवे एवं उत्तर प्रदेश की हॉकी टीम का अभिन्न हिस्सा हैं। वह पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल की ओर से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल का, बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया है।

श्रीमंत झा ने एशियन पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य, शहीदों को किया समर्पित

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी और एशिया के नंबर-1 पैरा-आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने एक बार फिर देश का नाम रोशन कर दिया है। दिल्ली में आयोजित एशियन पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2025 में +85 किलोग्राम कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस खास मौके पर श्रीमंत ने अपनी जीत भारत के शहीद जवानों को समर्पित की, जिससे देशवासियों की भावनाओं को गहराई से छू लिया। श्रीमंत झा अब तक 55 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके हैं। पदक जीतने के बाद उन्होंने कहा, 'हर एक मैच शहीदों के सम्मान के लिए खेलता हूं। ये मेरे लिए सिर्फ खेल नहीं, एक मिशन है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी नजर अब आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स पर है और वे भारत को और गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। श्रीमंत झा की कहानी सिर्फ खेल की नहीं, संघर्ष और संकल्प की मिसाल है। दोनों हाथों में केवल चार उंगलियां होने के बावजूद वे दुनिया के तीसरे नंबर के और एशिया के नंबर-1 पैरा-आर्म रेसलर हैं। उनका यह

जज़्बा लाखों युवाओं को प्रेरणा देता है। श्रीमंत की इस उपलब्धि पर पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष प्रीति झींझानी, छत्तीसगढ़ आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जी.सुरेश बाबे, चेयरमैन बृजमोहन सिंह, सचिव श्रीकांत और कृष्ण साहू ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं श्रीमंत झा का यह मेडल न सिर्फ उनकी मेहनत का नतीजा है, बल्कि हर उस भारतीय का गर्व है, जो सीमाओं पर तैनात सैनिकों का आदर करता है। उनका अगला लक्ष्य अब विश्व चैंपियनशिप में भारत का परचम लहराना है।

महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज फाइनल में श्रीलंका से हार का बदला लेने उतरेगी टीम इंडिया

जेंसी

नई दिल्ली। खेले जाने वाले महिला एकदिवसीय ट्राई सीरीज़ फाइनल में भारतीय टीम का लक्ष्य ट्रिकी श्रीलंका के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतना होगा। भारत की टूर्नामेंट में अब तक की एकमात्र हार श्रीलंका के खिलाफ ही आई थी, लेकिन हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम सबसे प्रभावशाली रही और चार में से तीन मुकाबले जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही। श्रीलंका दो जीत और दो हार के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ एक जीत के साथ तीसरे पायदान पर रही। यह फाइनल मुकाबला दोनों टीमों के लिए एकदिनी वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से भी अहम होगा। भारत की सफलता में सबसे बड़ा योगदान शानदार बल्लेबाज़ी का

रहा है। जेमिमा रोड्रिग्स ने 201 रन बनाए हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 123 रन की शतकीय पारी शामिल है। प्रतीका रावल (164 रन), स्मृति मंधाना (148 रन) और दीप्ति शर्मा (126 रन) ने भी अहम पारियां खेली हैं।

खासकर दीप्ति का निचले क्रम में 93 रन की पारी टीम को मजबूती देने वाली रही। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हालांकि अब तक कोई बड़ी पारी नहीं खेली, लेकिन पिछले तीन मुकाबलों में 41*, 30 और 28 रन की पारी ने संकेत दिए हैं कि वो फाइनल में धमाका कर सकती हैं। गेंदबाज़ी की बात करें तो स्नेह राणा 11 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज़ रही हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट की शानदार पारी शामिल है। श्रीलंका की ओर से सबसे बड़ी उम्मीद हरशिथा समरविक्रमा होंगी, जिन्होंने भारत के खिलाफ लीग मैच में 61 गेंदों में 53 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पिछले साल ङ्ग20 एशिया कप फाइनल में भी भारत के खिलाफ मैच जिताऊ पारी खेली थी। इस सीरीज़ में समरविक्रमा ने अब तक चार मैचों में दो अर्धशतक समेत 177 रन बनाए हैं।

कप्तान चमारी अटापट्टू ने अब तक बल्ले और गेंद से औसत प्रदर्शन किया है - चार मैचों में 88 रन और 5 विकेट। गेंदबाज़ी में देउमी विहांगा 9 विकेट लेकर श्रीलंका के लिए प्रभावी रही हैं, लेकिन भारतीय बल्लेबाज़ों ने उन्हें पहले मैचों में अच्छी तरह संभाला है।

रोमानिया में प्रग्गनानंद ने अब्दुसत्तोरोव को हराया

एजेंसी

बुखारेस्ट। भारत के आर प्रग्गनानंद ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज करने के साथ ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट शतरंज क्लासिक 2025 में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन अब्दुसत्तोरोव के गलत निर्णय का फायदा उठाया, जिन्होंने अपना डार्क-स्क्वायर बिशप बहुत जल्दी छोड़ दिया था। अन्य मैच में, भारतीय प्रतिभा डी गुकेश को रोमानिया के बोगदान-डैनियल डेक ने ड्रॉ पर रोक दिया। दोनों खिलाड़ियों ने मामूली अवसरों को गंवा दिया और तनावपूर्ण संघर्ष के बाद साझा अंक पर समझौता किया। इस बीच अमेरिका के नंबर 1 फैबियानो कारुआना ने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को हराकर प्रागनानंदा के साथ बढ़त बना ली है। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने

अंतिम गेम में बाजी मारी, जिससे कारुआना को पूरा अंक मिल गया और वह स्टैंडिंग में 2/3 पर पहुंच गए। तीन राउंड पूरे होने के साथ, प्रागनानंदा और कारुआना 2-2 अंक लेकर लीडरबोर्ड में शीर्ष पर हैं। उनके पीछे 1.5 अंक वाले छह खिलाड़ियों का समूह है, जिसमें मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन भी शामिल हैं।

कोलिन्स ने इतालवी ओपन में मौजूदा चैंपियन स्वियाटेक को हराया

एजेंसी

रोम। अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिन्स ने इतालवी ओपन के तीसरे दौर में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियाटेक के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की। कोलिन्स ने विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियाटेक की खराब सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में बढ़त हासिल की और फिर दूसरे सेट में ब्रेक डाउन से उबरते हुए 6-1, 7-5 से जीत दर्ज की।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन के खिलाफ नौ मैचों में यह उनकी दूसरी जीत थी और क्ले पर पहली जीत थी। 31 वर्षीय कोलिन्स का सामना चौथे दौर में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना या हमवतन हैली बैपटिस्ट से होगा, जबकि स्वियाटेक को अब 25 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन से पहले फिर से खेलना होगा। स्वियाटेक ने पिछले चार सत्रों

में से तीन में इतालवी ओपन जीता था, लेकिन रोम में इस साल के आयोजन से पहले उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म के लिए संघर्ष करना पड़ा। 12 महीने पहले रोलाण्ड गैरोस में पांच वर्षों में अपना चौथा फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीतने के बाद से उन्होंने कोई डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट नहीं जीता है। स्वियाटेक की शुरुआत खराब रही, उन्होंने अपने पहले दो सर्विस गेम में ब्रेक पॉइंट का सामना करते हुए डबल फॉल्ट किया और अपना तीसरा गेम लव से गंवा दिया, वहीं 29वीं वरीयता प्राप्त कोलिन्स ने 5-0 की बढ़त बना ली थी। स्वियाटेक ने आखिरकार छठे गेम में बढ़त हासिल की, लेकिन चौथी बार उनकी सर्विस टूट गई और वे मात्र 24 मिनट में पहला सेट हार गईं। उन्होंने दूसरे सेट के शुरुआती गेम में कोलिन्स की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर से ब्रेक हासिल नहीं कर पाईं। कोलिन्स ने दूसरे सेट के बाकी बचे गेम में बराबरी बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन 12वें गेम में उन्होंने वापसी की और मैच में छठी सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत सुनिश्चित की।

आपको 60 की औसत रखनी है- विराट कोहली से ब्रायन लारा की भावुक अपील

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कथित फैसले को वापस लेने की सार्वजनिक अपील की है। यह अपील ऐसे समय में आई है जब कोहली के टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। 35 वर्षीय कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि वह 20 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी हार नहीं मानी है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि वे कोहली को टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर तब जब इंग्लैंड दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया चक्र शुरू हो रहा है।

यूएई ने कतर को 163 रन से रौंदा

एजेंसी

बैंकॉक। कतर के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप एशिया क्वालीफायर मुकाबले में यूएई ने पहले 16 ओवर में 192 रन बनाने के बाद समय बचाने के लिए बादलों से घिरे मौसम में अपनी पूरी बल्लेबाजी लाइन-अप को रिटायर करने का फैसला किया। यह कदम बाद में खेल में कारगर साबित हुआ, जब ईशा ओजा की टीम ने कतर को मात्र 29 रन पर आउट कर दिया, जिससे न उसे बड़ी जीत मिली बल्कि नेट रन रेट में भी बढ़त हासिल हुई।यूएई ने पहले बल्लेबाजी की और ओजा (113 रन 55 गेंद, 19 चौके) और तीर्था सतीश (74 रन,42 गेंदो 11 चौके) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत तेजी से रन बनाए। इस बीच बारिश की आशंका को देखते हुए कोच अहमद रजा के नेतृत्व में यूएई प्रबंधन ने 16 ओवर के बाद फैसला किया कि उनके पास खेलने के लिए पर्याप्त रन हैं। अगर यह प्रथम श्रेणी मैच होता, तो टीम शायद घोषणा कर सकती थी, लेकिन यह देखते हुए कि यह एक टी20 मैच

था, यूएई के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं था। इसके बाद एशियाई टीम ने एक अनोखा रणनीतिक फैसला लिया, जिसमें उन्होंने अपने सभी बल्लेबाजों को 'पैड अप' करने के लिए कहा और उन्हें रिटायर करने का फैसला किया। यूएई ने 12वें ओवर के भीतर ही कतर की टीम को आउट कर दिया और 163 रनों से शानदार जीत हासिल की।यह जीत यूएई की एशिया क्वालीफायर इवेंट में लगातार दूसरी जीत थी और इस जीत ने उन्हें इवेंट के सुपर श्री चरण में आगे बढ़ने के लिए तैयार कर दिया। टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से तीन विजेता सुपर श्री चरण में आगे बढ़ते हैं, और फिर शीर्ष दो टीमें अगले साल की शुरुआत में ग्लोबल क्वालीफायर में आगे बढ़ती हैं।

वह सफल रहे, शानदार नहीं : रोहित शर्मा के टेस्ट करियर पर बोले इंग्लैंड के दिग्गज

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने भारतीय बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट करियर का आकलन करते हुए कहा कि उनके आंकड़े उन्हें एक सफल, लेकिन पूरी तरह से शानदार नहीं खिलाड़ी बनाते हैं। यह बयान रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद आया। रोहित ने 7 मई को 11 साल और 67 टेस्ट के करियर के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। यह घोषणा इंग्लैंड दौरे से पहले हुई, जो 20 जून से भारत के आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत करेगा। एथरटन ने कहा कि रोहित का सर्वश्रेष्ठ प्रारूप वनडे क्रिकेट है, जहां वह सबसे महान सलामी बल्लेबाजों में शुमार हैं। उनका टेस्ट करियर दो हिस्सों में बंटा रहा। लंबे समय तक उन्हें मौका नहीं मिला और अंत में 40 से कुछ ऊपर की औसत और 12 शतकों के साथ यह एक सफल रिकॉर्ड है, लेकिन शानदार नहीं। रोहित ने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 67 टेस्ट में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 था, जो 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आया। वह भारत के 16वें सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनका टेस्ट करियर 2013 में कोलकाता में

वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रनों की पारी के साथ शुरू हुआ। शुरुआती सालों में, खासकर विदेशी दौरों पर, रोहित को लंबे प्रारूप में अपनी जगह पक्की करने में मुश्किल हुई। 2013-18 तक, उन्होंने 27 टेस्ट में 39.63 की औसत से 1,585 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक थे। दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (स्थह्व) जैसे देशों में उनकी बल्लेबाजी संघर्ष करती रही। डब्ल्यूटीसी के 40 टेस्ट में उन्होंने 41.15 की औसत से 2,716 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। एथरटन ने रोहित के संन्यास पर सवाल उठाया कि क्या यह उनका अपना फैसला था या खराब फॉर्म के कारण चयनकर्ताओं का दबाव था। रोहित ने अपने आखिरी आठ टेस्ट में केवल 164 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक शामिल था। एथरटन ने कहा कि रोहित की घोषणा से एक दिन पहले खबर थी कि चयनकर्ता आगे बढ़ने का फैसला कर चुके हैं। यह अटकलें हैं, लेकिन संन्यास का फैसला आश्चर्यजनक नहीं था। कप्तान के तौर पर हार और खराब फॉर्म का संयोजन घातक होता है। रोहित की कप्तानी में भारत ने हाल के 6 में से 5 टेस्ट हारे, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 2 हार शामिल हैं। एथरटन ने निष्कर्ष निकाला कि यह किसी भी कप्तान के लिए मुश्किल स्थिति है।

फिल्म की तरह लग रहा है...भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच

जान्हवी कपूर

ने जताई चिंता, भारतीय सेना को भी किया सलाम

भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति दिन-बा-दिन खराब होती जा रही है. दोनों ही देशों से हमले किए जा रहे हैं. हालांकि, अगर ऐसा ही चलता रहा तो जल्द ही दोनों देशों में जंग छिड़ जाएगी. ये सब शुरू हुआ 22 अप्रैल को, जब आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में मासूमों पर हमला किया और उन्हें मौत के घाट उतार दिया. इस घटना के कुछ दिन बाद भारत ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया. जिसके बाद से पाकिस्तान भी भारत पर हमले की कोशिश में लगा हुआ है. हालांकि, इस स्थिति से लोगों में डर का माहौल भी बना हुआ है.बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी सोशल मीडिया के जरिए दोनों देशों में चल रहे तनाव के बीच अपने डर को जाहिर किया है. दरअसल, जब से भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर अटैक कर कई आतंकियों को मार गिराया. इसके बाद ही पाकिस्तान की तरफ से भारत के कई हिस्सों पर हमला किया था. इस पूरी घटना पर बात करते हुए जान्हवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा कि न्यूज चैनल और सोशल मीडिया देखकर लग रहा है कि हम किसी फिल्म से निकले हैं.

घबराहट हुई महसूस

जान्हवी ने आगे कहा कि मैंने अभी तक की अपनी जिंदगी में भारत में ऐसा कुछ होते नहीं देखा है. एक्ट्रेस ने अपनी फीलिंग्स के बारे में बात करते हुए लिखा कि उन्होंने इस तरह की स्थिति देखकर ऐसी घबराहट महसूस की है, जैसा उन्होंने पहले कभी एक्सपीरियंस नहीं किया है. आगे एक्ट्रेस ने लिखा कि ऐसे वक्त में उन सभी समय की याद आई जब बाहरी देशों में किसी भी तरह की तकरार पर हम सेफ जगह से उसे खत्म करने की बात करते हैं. पर इस बार ये हमारे ही दरवाजे पर आ गया है.

हम अटैक नहीं करते

एक्ट्रेस ने देश के बारे में बात करते हुए लिखा कि इतिहास से, कभी भी आक्रामक नहीं रहे हैं. हम अटैक नहीं करते, हम उन जगहों और लोगों पर खुद को थोपते नहीं हैं जो हमारा स्वागत नहीं करते, हम भारत हैं. अपनी सुरक्षा के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने भारतीय सेना को शुक्रिया अदा किया है.

साथ ही साथ निर्दोषों को इस जंग से बचाए रखने की कामना भी की है. अभी की स्थिति की बात करें, तो भारत के कई इलाकों में पूरे तरीके से ब्लैकआउट का आदेश दे दिया है.

अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' में नजर आएंगी पल्लवी जोशी, निभाएंगी ये खास किरदार

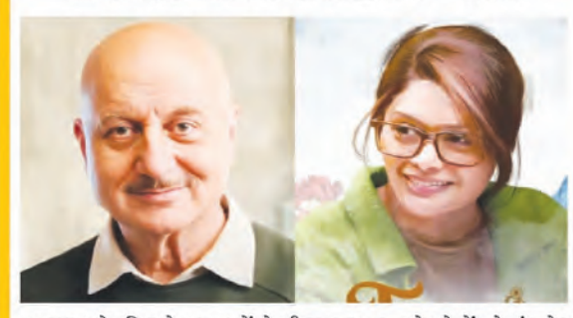

अनुपम खेर पिछले 4 दशकों से भी ज्यादा समय से लोगों को एंटरटेन करते हैं. वो हर बार अपनी उम्दा अदाकारी के जरिए लोगों के दिलों पर छा जाते हैं. पिछले कुछ समय से वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर सुर्खियों में चल रहे हैं, जिसमें बॉलीवुड के कई बड़े सितारे नजर आने वाले हैं. 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म की एक्ट्रेस पल्लवी जोशी अनुपम खेर की पिक्चर का हिस्सा हैं.अनुपम खेर ने 'तन्वी द ग्रेट' को डायरेक्ट किया है. उनकी इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, बोमन ईरानी जैसे बड़े स्टार्स दिखने वाले हैं. 10 अप्रैल को सोशल मीडिया पर उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि पल्लवी जोशी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. उनके कैरेक्टर का नाम विद्या रैना है और उनका ये किरदार काफी खास होने वाला है.

अनुपम खेर ने की पल्लवी जोशी की तारीफ

अनुपम खेर ने एक लंबा-चौड़ा नोट भी लिखा और पल्लवी जोशी की तारीफ की है. उन्होंने कहा, मैं पल्लवी जोशी का प्रशंसक रहा हूं. वो टीवी की असली डिवा हैं. उनका सिनेमा की दुनिया में कदम रखना हमारी इंडस्ट्री के लिए तोहफा है. वो बहुत सिलेक्टिव तरीके से अभिनय करती हैं, लेकिन जब भी वो स्क्रीन पर होती हैं तो 100 प्रतिशत तय होता है कि एक नेशनल अवॉर्ड आने वाला है. उनके इमोशन की रेंज की कोई लिमिट नहीं है.

अनुपम खेर ने आगे लिखा, तन्वी द ग्रेट में उनका किरदार दया, बलिदान और शक्ति का प्रतीक है. वो उन शानदार एक्ट्रेसेस में से हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है. प्रिय पल्लवी आपके सपोर्ट के लिए आपका शुक्रिया. आपके साथ काम करना मेरे लिए सीखने का अनुभव रहा है. हमारी भारतीय सेना के लिए आपकी समझ दिल को छू लेने वाला और संक्रामक है. जय हिंद.

जैकी श्रॉफ का खास किरदार

कुछ समय पहले अनुपम खेर ने जैकी श्रॉफ को भी इंट्रोड्यूस किया था. वो इस फिल्म में सेना में ब्रिगेडियर जोशी का किरदार निभाने वाले हैं. जब से अनुपम खेर ने इस फिल्म की घोषणा की है, उसके बाद से ही इस पिक्चर की काफी चर्चा हो रही है. फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हालांकि. अभी रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है.

13 साल छोटे अक्षय कुमार के प्यार में पागल थीं रेखा? इस मशहूर एक्ट्रेस ने बताया था दोनों के रिश्ते का सच

रेखा और अक्षय कुमार दोनों ही हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार हैं. रेखा ने 70 के दशक में अपनी शुरुआत की और 90 के दशक तक छाई रहीं. जबकि 90 के दशक में डेब्यू करने वाले अक्षय कुमार अब भी हिंदी सिनेमा में काम कर रहे हैं. अक्षय और रेखा को इस दौरान साथ काम करने का मौका भी मिला और तब दोनों के अफेयर की अफवाह भी उड़ी थी.

अक्षय कुमार और रेखा दो अलग-अलग दौर के कलाकार हैं. दोनों के बीच उम्र में 13 साल का फासला है. दिग्गज एक्ट्रेस रेखा 'खिलाड़ी कुमार' से 13 साल बड़ी हैं. हालांकि, फिर भी जब दोनों ने साथ में फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में स्क्रीन शेयर की थी तो दोनों को लेकर कहा गया कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. हालांकि, बाद में मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन ने दोनों के रिश्ते की सच्चाई उजागर की थी.

शादी करने वाले थे अक्षय-रवीना

अक्षय कुमार का शिल्पा शेट्टी के साथ अफेयर काफी चर्चा में रहा. लेकिन, ब्रेकअप के बाद एक्टर की लाइफ में रवीना टंडन की एंट्री हुई. दोनों ने चोरी छिपे सगाई भी कर ली थी. लेकिन, ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल सका और साल 1998 में दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद अक्षय ने ट्विंकल खन्ना को डेट करना शुरू किया था.

रवीना ने तोड़ी थी रेखा-अक्षय के रिश्ते पर चुप्पी

जब अक्षय और रवीना रिश्ते में थे तब ही दोनों को रेखा के साथ साल 1996 में आई फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में काम करने का मौका मिला था. बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. इसमें अक्षय और रेखा के बीच इंटीमेट सीन भी देखने को मिले थे. इसके चलते अक्षय और रेखा के अफेयर की खबरों को और भी ज्यादा बल मिलने लगा था.

लेकिन रवीना ने एक इंटरव्यू में इन अफवाहों को खारिज कर दिया था.जब रेखा और अक्षय के कथित अफेयर की खबरें सुर्खियां बटोर रही थीं तब रवीना, अक्षय के साथ सीरियस रिलेशनशिप में थीं. उन्होंने बताया था कि इन अफवाहों का उनके रिश्ते पर गहरा असर पड़ा था. रवीना ने एक इंटरव्यू में कहा था, मुझे नहीं लगता कि अक्षय का कभी रेखा से कोई लेना-देना था. असल में वो उनसे दूर भागते थे.

सोहा अली खान

से झगड़े के बीच बाथरूम चले जाते हैं कुणाल खेमू, वजह सुन छूट जाएगी हंसी

बॉलीवुड फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत करने वाले कुणाल खेमू आज पटौदी खानदान के दामाद हैं. पटौदी फैमिली के नवाब सैफ अली खान की छोटी बहन सोहा अली खान के साथ कुणाल खेमू ने शादी की थी. कई साल डेट करने के बाद दोनों ने शादी की और आज एक बेटी के पैरेंट्स हैं. कुणाल और सोहा के बीच बहुत प्यार है, लेकिन ये प्यार कभी-कभी नोक-झोंक में भी बदल जाता है.इसके बारे में कुणाल खेमू ने एक इंटरव्यू में बताया था, जब वो 'द कपिल शर्मा शो' में बतौर गेस्ट बनकर पहुंचे थे. यहां कुणाल ने कहा था कि जब उनका और सोहा का झगड़ा होता है, तो उनकी इंग्लिश एक्टर को समझ ही नहीं आती.

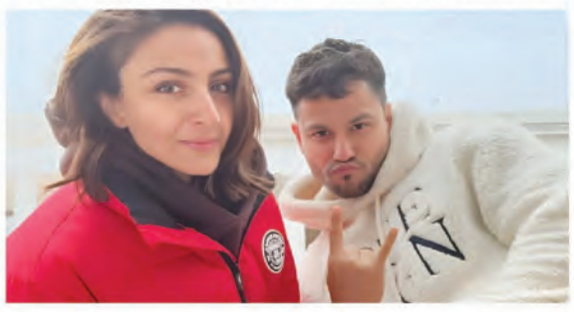

कैसा होता है कुणाल खेमू का सोहा अली खान से झगड़ा ?

शो में कपिल शर्मा ने एक्टर से पूछा, 'कुणाल आपके बारे में एक अफवाह ये भी है कि सोहा की इंग्लिश समझने के लिए आप एक इंग्लिश डिक्शनरी रखते हैं.' इसपर एक्टर ने जवाब में कहा था, 'डिक्शनरी नहीं रखता हूं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि जब भी हम झगड़ते हैं तो वो इंग्लिश में बोलती है और मैं हिंदी में झगड़ता हूं." एक बार ऐसा हुआ कि एक बड़ा वर्ड उसने मेरी तरफ फेंका, जो मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आया. मुझे लगा कि अभी गुस्सा करूं या ना करूं, फिर मैंने बोला एक सेकेंड और मैं बाथरूम में गया मोबाइल निकाला, गूगल पर चेक किया कि उसने मुझे क्या कहा था. फिर मैंने कहा चलो ये ठीक है अब आगे बढ़ते हैं. तो मेरी वोकैबलरी उसकी वजह से काफी अच्छी हो गई है.'

सोहा अली खान से कुणाल खेमू की शादी कब हुई ?

इसी वीडियो में कुणाल खेमू ने बताया था कि सोहा अली खान लंदन के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ी हैं, इसलिए उनकी इंग्लिश अच्छी है और वो ज्यादातर इंग्लिश में ही बात करती हैं. लेकिन कुणाल मुंबई में पढ़े हैं और उनकी इंग्लिश लोकल वाली ही है, जो काम चलाने के लिए काफी है.

46 साल की सोहा अली खान दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी और दिग्गज एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर की छोटी बेटी हैं. सोहा ने कुछ बॉलीवुड फिल्मों में काम भी किया है और आज भी वो इंडस्ट्री में एक्टिव हैं.

जवान देश की शान हैं: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

सीएम धामी ने बनबसा की 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल का दौरा किया

चंपावत

रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत-नेपाल सीमा पर स्थित बनबसा की 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल का दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों एवं जवानों से भेंट कर सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने जवानों के साहस, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि हमारी सीमाएं जवानों की सतर्कता और समर्पण से अभेद हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारत-नेपाल सीमा पर सतर्कता बनाए रखना न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि राष्ट्रीय हित के लिए अत्यंत आवश्यक है। राज्य सरकार, केंद्र सरकार और सुरक्षा एजेंसियां मिलकर समन्वय में कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने सीमा चौकियों की अवस्थापना, संचार एवं गश्त की व्यवस्था, और जवानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और सुधार के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सीमावर्ती गांवों को "प्रथम गांव" कहे जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह गांव देश की सीमाओं और संस्कृति की पहली पहचान हैं। इन गांवों की रक्षा में लगे जवानों के प्रति उन्होंने आभार व्यक्त किया। सीमा दौरे के दौरान

मुख्यमंत्री ने जवानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और अनुभव भी सुने। उन्होंने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण बताया और कहा कि भारत की सेना ने इस हमले का मुँहतोड़ जवाब दिया है। साथ ही उन्होंने राष्ट्र की एकता और नागरिकों की देशभक्ति को सबसे बड़ी ताकत बताया। इस अवसर पर डीआईजी एसएसबी अमित शर्मा, जिलाधिकारी चंपावत नवनीत पांडे, जिलाधिकारी उधम सिंह नगर नितिन भदोरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे

नैनीताल में अच्छी संख्या में सैलानियों के साथ पटरी पर लौटता दिखा पर्यटन

नैनीताल

सरोवरनगरी में गत 30 मई को एक 12 वर्षीय बालिका के साथ हुई अमानवीय घटना के सामने आने और इसके बाद हुई कुछ अप्रिय घटनाओं तथा इधर भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नगर में पर्यटन बड़े स्तर पर प्रभावित हुआ। इधर सोमवार को बुध पूर्णिमा के अवकाश के साथ मिले लंबे सप्ताहांत पर शनिवार को नगर में भारी बारिश के साथ फिर पर्यटन प्रभावित हुआ, किंतु रविवार को नगर में अच्छी संख्या में सैलानी नगर के प्राकृतिक सौंदर्य तथा नगर के प्रमुख आकर्षण नैनी झील में नौकायन तथा केबल कार की सवारी का आनंद लेते भी दिखायी दिये। इसके साथ नगर के मल्लीताल में पंत पार्क के पास नगर पालिका द्वारा स्थापित फड़ों पर भी अच्छी रौनक देखी गयी। इसके साथ नगर में पर्यटन वापस पटरी पर लौटता नजर आया।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर खिर्सू पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

पौड़ी गढ़वाल

जिला मुख्यायल पौड़ी से करीब 25 किमी दूर खिर्सू का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर बने होम स्टे पर्यटकों को खूब भाते हैं। खिर्सू से करीब तीन किमी दूरी पर ग्वाड़ निवासी युवा सुरेश रावत को होम स्टे है। उनके होम स्टे में पर्यटक ठहरने के लिए आते हैं और होमस्टे के कमरों को घुघुती, बुरांश, गेंदा, गुलाब नाम रखा है। सुरेश रावत ने पांच साल पहले खुद के संसाधनों से होम स्टे बनाया। सात कमरों के होम स्टेट से वह करीब हर माह एक लाख रूपए तक कमा लेते है। वे बताते है कि इससे पहले टूर एंड ट्रैवल्स का कार्य करते थे, लेकिन उसमें नुकसान होने के कारण उन्हें होम स्टे बनाना, धीरे-धीरे होम स्टे से उनकी आजिविका में सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र का प्राकृतिक छटा से भरपूर है। सरकार इस ओर ध्यान दें तो यहां पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। इसके साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को भी रोजगार मिलेगा।

ऐसे पहुंचे खिर्सू

- श्रीनगर से खिर्सू 29 किमी दूर।
- जिला मुख्यालय पौड़ी से 20 किमी दूर।

पोप लियो ने की यूक्रेन और गाजा में शांति की अपील, मदर्स डे पर दी शुभकामनाएं

वेटिकन सिटी

पोप लियो चौदहवें ने रविवार को अपने साप्ताहिक संबोधन के दौरान यूक्रेन और गाजा में शांति की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया और दुनिया भर की माताओं को मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। वेटिकन में सेंट पीटर्स स्क्वॉयर में हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पोप ने कहा, "इस समय जब दुनिया कई संघर्षों से जूझ रही है, हमें प्रार्थना, सहानुभूति और कार्यवाही की आवश्यकता है।" उन्होंने खासतौर पर यूक्रेन और गाजा पट्टी का जिक्र करते हुए कहा कि वहां के लोगों को अत्यधिक पीड़ा और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, और अंतरराष्ट्री समुदाय को चाहिए कि वह संवाद और करुणा के मार्ग को अपनाए। पोप लियो चौदहवें ने अपने संदेश में यह भी कहा, "मैं दुनिया भर के नेताओं से अपील करता हूं कि वे अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत मतभेदों को दरकिनार करके मानवता की भलाई के लिए काम करें। शांति कोई कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत होती है।" इस अवसर पर उन्होंने मदर्स डे पर विशेष संदेश देते हुए कहा, "मां जीवन की जननी होती है, और उनकी भूमिका इस दुनिया में ईश्वर की करुणा का सबसे जीवंत उदाहरण है। मैं हर मां को उनके प्रेम, बलिदान और देखभाल के लिए धन्यवाद देता हूं।"

मलेरकोटला से पकड़े गए दो पाकिस्तानी जासूस

चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने राज्य के मलेरकोटला से दो पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया है। इन पर पाकिस्तानी उच्च आयोग के कार्यालय के एक अधिकारी को सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारियां मुहैया करवाने का आरोप है। इसके बदले में उन्हें ऑनलाइन पेमेंट मिलती थी। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि एक सूचना के आधार पर मलेरकोटला से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसने पूछताछ में अपने दूसरे सहयोगी के बारे में बताया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करके उनके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनसे पूछताछ करके पता लगाया जा रहा है कि वह कब से गोपनीय जानकारियां लीक करने का काम कर रहे थे।

'मीडिया चैनल्स हवाई हमले का सायरन इस्तेमाल न करें'

नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान संघर्ष के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी मीडिया चैनल्स को अपने कार्यक्रमों में सिविल डिफेंस हवाई हमले के सायरन का इस्तेमाल करने से बचने की सलाह दी है। गृह मंत्रालय के तहत डायरेक्ट्रेट जनरल, सिविल डिफेंस, फायर सर्विस और होम गार्ड्स ने यह एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि सिविल डिफेंस एक्ट, 1968 की धारा 3(1) के तहत सभी मीडिया चैनल्स से ये अपील की जाती है

कि सिविल डिफेंस एयर रेड सायरन के इस्तेमाल से बचें और सिर्फ लोगों को जागरुक करने के लिए ही इसका इस्तेमाल करें।

सरकार का तर्क- लोग गुमराह हो सकते हैं

एडवाइजरी के अनुसार, सायरन का रुटीन इस्तेमाल, आम नागरिकों में इसकी संवेदनशीलता को कम कर सकता है और लोग असल सायरन की आवाज को मीडिया चैनल्स के सायरन की आवाज मानकर गलतफहमी के शिकार हो सकते हैं। गौरतलब है कि इन दिनों भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष चरम पर है। पाकिस्तान द्वारा भारत के शहरों और सैन्य ठिकानों पर हमले की नाकाम कोशिश की जा रही है। भारत जहां पाकिस्तान के हमलों को नाकाम कर रहा है, वहीं जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान को काफी नुकसान भी पहुंचाया है।

राष्ट्रहित में चिन्तन-मनन प्रत्येक नागरिक का दायित्व : कर्नल मनीष

दिव्य दिल्ली : प्रयागराज। सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टरकालेज, सर्वोदय नगर के आयोजकत्व एवं "भारतीय सांस्कृतिक परिषद" के तत्वावधान में विश्व के ज्वलंत विषय "आतंकवाद-गम्भीर वैश्विक समस्या" पर आयोजित बौद्धिक प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि कर्नल मनीष सिंह ने राष्ट्र के प्रति प्रत्येक नागरिक के अपने कर्तव्यबोध के प्रति उत्तरदायित्व के निर्वहन की बात कही। आपने अतिथि उद्बोधन में समाज के सुदृढ़ीकरण द्वारा विश्वगुरु के रुप स्थापित होने कि आवश्यकता पर विचार रखे। विशिष्ट अतिथि पूर्व न्यायाधीश कै0 डी पी एन सिंह ने भैया-बहनों के प्रतिभाग में व्याख्यान पर उनको टिप्स दिये। विश्व में धर्म आधारित आतंकवाद की कटु आलोचना की एवं आतंकवाद को नष्ट कर विश्व शांति की स्थापना में भारत के सशक्त प्रयासों की

सराहना की। प्रतियोगिता का शुभारम्भ दीपप्रज्वलन एवं माँ भारती की आराधना से हुआ। विद्या भारती द्वारा संचालित जनपद के 8 विद्या मन्दिर इण्टर कालेज के भैया-बहन ने प्रतिभाग किया। निर्णायक समिति में डॉ अनन्त कुमार गुप्त, डॉ अनूप कुमार श्रीवास्तव, अविनाश तिवारी, डॉ रीता श्रीवास्तव, सीमा गुप्ता, एस पी शर्मा, पूर्णिमा दुबे, शिव शंकर तिवारी, डॉ इन्दू सिंह, डॉ इन्दू राकेश, डॉ अम्बुज पाण्डेय ने भैया-बहन के उत्कृष्ट उद्बोधन एवं प्रश्नोत्तर से सभी को सन्तुष्ट किया। डॉ अनन्त कुमार गुप्त ने निर्णायक समिति की अध्यक्षता कर प्रतियोगिता सम्पन्न करायी। डॉ शम्भूनाथ त्रिपाठी अंशुल ने विषयान्तर्गत भैया-बहन के व्याख्यान की सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश चन्द्र तिवारी ने अभ्यागत अतिथिगण का अभिनन्दन किया एवं आचार्य विजय अभिनन्दन मिश्र एवं लोकेश ने तथा परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गेश दुबे ने अतिथिगण एवं पधारे आचार्य बन्धु एवं आचार्य भगिनी को कश्मीफल एवं यथार्थ गीता भेंट कर अभिनन्दन किया। राजेन्द्र कुमार पालीवाल ने कहा कि सीमापार प्रायोजित आतंकवाद पर सशक्त प्रहार कर उनकी कमर तोड़ने की आवश्यकता है। सम्मानित अतिथियों में अशोक कुमार गुप्त, अखिलेश कुमार मिश्र, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, श्याम सूरत पाण्डेय, अभिषेक दुबे, मुकुन्द दुबे, पियूष अग्रवाल ने आतंकवाद को समूल नष्ट करने पर बल दिया। प्रतियोगिता में प्रथम युगांक तिवारी, द्वितीय वैष्णवी मिश्रा, तृतीय नवल कुमार स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन भारतीय सांस्कृतिक परिषद के महानगर अध्यक्ष सतीश कुमार गुप्त ने ओजस्वी अंदाज में किया।

बाबा गणिनाथ गोविंद जी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मुकुंदपुर में नए भवन निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

बिनोद कुमार

दिव्य दिल्ली: बाबा गणिनाथ गोविंद जी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मुकुंदपुर में नए भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सुदामा प्रसाद, सांसद आरा बिहार मौजूद रहे इस दौरान वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए अशोक अग्रवाल ने कहा, वैश्य समाज की उपजातियां 300 से भी ज्यादा है जो अलग-अलग गिने जाते हैं अगर सभी उपजातियां एक साथ वैश्य लिखना शुरू कर दे तो यह ज्यदा मजबूती आएगी और मिलजुल कर अपनी हक की लड़ाई लड़ सकते हैं। वही कानू जाति से आने वाले देश के पहले सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा की बिहार में कानू समाज अति पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आता है और उनकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं है जिस पर काम करने की सख्त जरूरत है।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए बाबा गणिनाथ गोविंद जी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार शाह ने कहा यह ट्रस्ट खास करके कानून समाज के लोगों के उत्थान के उद्देश्य से बना है और जो नए भवन का निर्माण हो रहा है

वह समाज के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहेगी। वेबसाइट के माध्यम से भी इसकी बुकिंग की जा सकती है और वैश्य समाज के तमाम लोग जो विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत है और समाज में योगदान कर रहे हैं उन्हें सम्मानित किया गया साथ ही बाबा गणिनाथ गोविंद जी चैरिटेबल ट्रस्ट के वेबसाइट का भी अनावरण किया गया बता दे की बाबा गणिनाथ गोविंद जी चैरिटेबल ट्रस्ट कानू समाज के उत्थान के उद्देश्य बनाया गया है।

मई में भी हिमाचल में सर्दी का असर, अगले 24 घंटों के लिए येलो अलर्ट

शिमला

हिमाचल प्रदेश में इस बार मई का महीना भी सर्दी की चपेट में नजर आ रहा है। आमतौर पर जहां इस समय राज्य के मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में तेज गर्मी और लू चलती है। वहीं इस साल लगातार हो रही बारिश और चोटियों पर बर्फबारी के चलते तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। राज्य के अधिकतर हिस्सों में दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

इससे मौसम सुहावना बना हुआ है। मैदानी क्षेत्रों में गर्मी की तीव्रता देखने को नहीं मिल रही है, जबकि पहाड़ी इलाकों में अभी भी सर्द हवाओं का असर बना हुआ है। शिमला, कुफरी और मनाली जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर मौसम ठंडा होने की वजह से सैलानी गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आ रहे हैं। कई पर्यटक तो गर्म कपड़े वहीं से खरीदते देखे जा रहे हैं क्योंकि उन्हें मई में ऐसी ठंड की उम्मीद नहीं थी। बीते चार से पांच दिनों से शिमला में दोपहर के समय नियमित रूप से बारिश हो रही है। रविवार को हालांकि मौसम में बदलाव देखने को मिला और धूप-बादलों की आंखमिचौली होती रही।

मां और डॉक्टर जीवन की सच्चे संरक्षण और उपचारक : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मां और डॉक्टर दोनों ही जीवन की सच्चे संरक्षक, उपचारक और निःशब्द योद्धा होते हैं। उन्होंने यह बाते रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित महिला डॉक्टरों के सम्मेलन और वार्षिक सम्मान समारोह में कही। यह समारोह इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित हुआ। इसमें बड़ी संख्या में डाक्टर मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समारोह में शामिल होना उनके लिए अत्यंत भावुक और मन को आनंदित करने वाला अनुभव रहा है। उन्हें हमेशा यह महसूस होता है कि डॉक्टर और मां के बीच एक अनुपम रिश्ता होता है। दोनों ही जीवन की सच्ची संरक्षक, उपचारक और निःशब्द योद्धा होती हैं। इस विशेष दिन पर वे सभी माताओं को उनके प्रेम, बलिदान और अनमोल देखभाल के लिए दिल से सम्मान और आभार प्रकट करती है।

पाकिस्तानी गोलाबारी में शहीद वीर सपूत सूबेदार मेजर पवन कुमार पंचतत्व में विलीनअंतिम यात्रा में भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के लगे नारे

दिव्य दिल्ली : जम्मू कश्मीर में राजौरी में पाकिस्तानी गोलाबारी में शहीद हुए जिला कांगड़ा के वीर सपूत सूबेदार मेजर पवन कुमार रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका सैन्य सम्मान के साथ उनके गांव के शमशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। शहीद पवन कुमार के बेटे अभिषेक ने मुखाग्नि देकर पिता को अंतिम विदाई दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी। इससे पूर्व आज जैसे ही

शहीद सूबेदार मेजर पवन कुमार का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचा तो पूरा माहौल गमगीन हो गया। शहीद की पत्नी ने अपने सुहाग को सैल्यूट कर अंतिम दर्शन किए। इस दौरान लोग भारत माता की जय और पाकिस्तान मुदार्बाद की नारेबाजी करने लगे। अंतिम यात्रा में गांव के कुछ युवक हाथों में तिरंगा और बैनर लेकर पवन कुमार अमर रहे की नारेबाजी करते हुए शामिल हुए।इससे पूर्व रविवार दोपहर करीब 2 बजे उनकी पार्थिव देह कांगड़ा के शाहपुर स्थित उनके गांव झुलाड़ सिहालपुरी गांव लाई गई। यहां पर शहीद की पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए सरकार की तरफ से विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया, कृषि व पशुपालन मंत्री चन्द्र कुमार, कांगड़ा चंबा संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सांसद डॉ राजीव भारद्वाज, स्थानीय विधायक केवल सिंह पठानिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार, पूर्व विधायक अरुण कूका, विजय मनकोटिया, प्रवक्ता संसार सिंह संसारी सहित अन्य नेता, सैन्य अधिकारी और जवानों सहित विभिन्न सरकारी अधिकारी भी पहुंचे। बता दें कि सेवानिवृत्ति से करीब तीन महीने पहले शहीद पवन कुमार ने अपना सर्वस्व देश की खातिर न्यौछावर कर दिया। 52 वर्षीय पवन कुमार 25 पंजाब रेजिमेंट में तैनात थे। करीब तीन महीने बाद उनकी रिटायरमेंट होनी थी। इससे पहले ही वे शहीद हो गए। पवन कुमार अपने पीछे बेटा-बेटी, पत्नी और माता-पिता को छोड़कर गए हैं। बलिदानी पवन के पिता गरज सिंह भी सेना से हवलदार पद से रिटायर्ड हैं।

नगर निगम शिमला: तीन दिन से जारी सैहब कर्मचारियों की हड़ताल खत्म, महापौर ने वेतन वृद्धि का दिया आश्वासन

शिमला

नगर निगम शिमला के सैहब कर्मचारियों की तीन दिन से जारी हड़ताल रविवार को समाप्त हो गई। हड़ताल खत्म करने का निर्णय महापौर सुरेंद्र चौहान से हुई वार्ता के बाद लिया गया। कर्मचारियों की प्रमुख मांग इस वर्ष अप्रैल में लागू होने वाली 10 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि थी। इसे निगम प्रशासन ने समय पर लागू नहीं किया। इसके विरोध में बीते तीन दिनों से सफाई कर्मी काम पर नहीं आ रहे थे जिससे शहर में कूड़ा-कचरा सड़कों पर फैलने लगा था और गंदगी का आलम पैदा हो गया था।

रविवार को नगर निगम कार्यालय में महापौर सुरेंद्र चौहान के साथ प्रतिनिधिमंडल की बैठक हुई। बैठक के बाद महापौर ने सैहब कर्मचारियों को 10 प्रतिशत वेतन वृद्धि देने का आश्वासन दिया। साथ ही अन्य सुविधाएं और लाभ देने पर भी सकारात्मक रुख अपनाने की बात कही।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397